▪ फाल्गुन शुक्ल - 10 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 233 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 19-03-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 आरसीबी के अभ्यास शिविर से जुड़े विराट कोहली

6 गौरैया की विलुप्ति की त्रासदी चिंताजनक

7 'दबंग' की अगली कड़ी को निर्देशित करना चाहते हैं अरबाज खान

अज़ान विवाद : अपनी दुकान में भजन सुन रहे शख्स को बुरी तरह पीटा

▪ युवा दुकानदार के पिता ने की अपने बेटे को न्याय दिलाने की मांग

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु में हलसुरु गेट पुलिस थाना क्षेत्र में कब्बनपेट इलाके के सिद्दन्नागल्ली स्थित एक दुकान में हनुमानजी के भजन सुन रहे दुकानदार युवक को कुछ युवकों ने बुरी तरह पीट दिया, जिसके बाद लोग आक्रोशित हो गए। मामला कथित तौर पर अज़ान विवाद का बताया जा रहा है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

रविवार शाम को चार-पांच युवकों के एक समूह ने पहले तो दुकानदार के साथ बहस की, उसके बाद उसे बाहर निकालकर पीटा। आरोप है कि दुकानदार मुकेश अपनी दुकान में हनुमानजी के भजन सुन रहा था। इसी दौरान कुछ युवक आए और उन्होंने 'अज़ान' का समय होने की बात कहकर उसकी बुरी तरह पिटाई कर दी।

हालांकि पुलिस ने कहा है कि उसने सोमवार को तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सभी संदिग्धों की उम्र 20 से 25 साल के बीच है। पुलिस ने बताया कि दुकानदार के तेज आवाज में 'हनुमान चालीसा' बजाने को लेकर विवाद हुआ था। उसने कहा कि आरोप के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं मिला और शिकायत में भी इसका उल्लेख नहीं है। पुलिस के रवैये पर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस की एफआईआर के अनुसार, तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर दो पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था जबकि दुकान साउंड सिस्टम के स्पीकर आदि की है जिसमें रोज ही दुकानदार भजन आदि बजाता है, ऐसा आसपास के लोगों का कहना है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर आया, जिसमें युवकों का एक समूह दुकानदार से झगड़ता दिख रहा है। तीखी बहस के बीच उनमें से एक ने दुकानदार का कॉलर पकड़ लिया। पीड़ित ने अपने बचाव में जवाबी कार्रवाई की कोशिश की, लेकिन हमलावरों की संख्या 5-6 थी इसलिए वह सामना नहीं कर पाया। उन्होंने उसे दुकान से बाहर खींचा और जमकर मारपीट की।

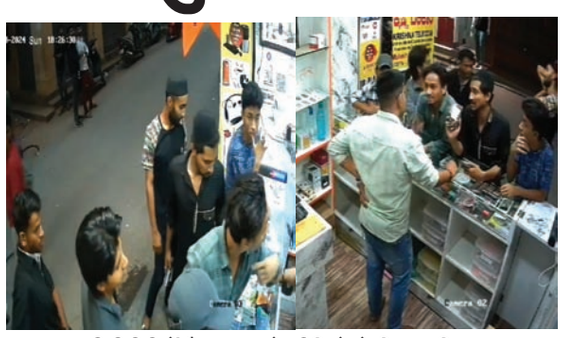

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'शिकायत के आधार पर हमने हलसुरु पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की है और घटना के संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।' उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान), 149 (गैरकानूनी तरीके से एकत्र लोगों में से प्रत्येक व्यक्ति साझा मंशा के तहत अभियोजन में किए गए अपराध का दोषी), 307 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सीसीटीवी में कैद घटना के वीडियो से लिए गएचित्र।

चाकू से वार की धमकी दी!

मीडिया से बात करते हुए दुकानदार मुकेश ने कहा कि मैंने हनुमानजी का भजन चला रखा था। अचानक चार-पांच लोग आए और बोले कि 'अज़ान' का समय हो गया है और अगर भजन चलाओगे तो हम तुम्हें पीटेंगे। उन्होंने मुझे पीटा और धमकी भी दी कि वे मुझ पर चाकू से वार करेंगे।

सिस्टम पर कैसे भरोसा करे आम आदमी?

घटना के बाद बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र के भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या दुकानदार से मुलाकात करने पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के राज में ऐसे चरमपंथी तत्व निर्दोष लोगों को निशाना बनाने के लिए अपने आपको ताकतवर महसूस कर रहे हैं। तेजस्वी सूर्या ने बेंगलूरु पुलिस आयुक्त से आग्रह किया कि वे मामले की तेजी से निष्पक्ष जांच कराएं और आरोपियों को गिरफ्तार करें। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, 'एक आम आदमी सिस्टम पर, उन लोगों पर भरोसा कैसे कर सकता है, जिन पर सुरक्षा करने, न्याय देने की जिम्मेदारी है, अगर जानबूझकर एफआईआर इस तरह से दर्ज की जाती है कि मुख्य सामग्री को हटा दिया जाए?' उन्होंने कहा, 'जिस सरकार के पास विश्वसनीय, तथ्यात्मक एफआईआर भी नहीं हो सकती, उस पर लोगों को न्याय देने का भरोसा नहीं किया जा सकता है। हमने मुख्यमंत्री, पुलिस अधिकारियों और गृह मंत्री से मांग की है कि पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद है, हम चाहते हैं कि मंगलवार सुबह तक ये सभी उपद्रवी गिरफ्तार किए जाएं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोयंबटूर में सोमवार को रोड शो किया। इस दौरान 1998 के सिलसिलेवार बम विस्फोट में मारे गए 58 लोगों की तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

'शक्ति' पर वार का मतलब देश की माताओं-बहनों पर वार है : मोदी

▪ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के समापन के अवसर पर मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित एक रैली में कहा था, हिन्दू धर्म में शक्ति शब्द होता है। हम शक्ति से लड़ रहे हैं...एक शक्ति से लड़ रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोगा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर हिन्दू धर्म में समाहित 'शक्ति' के विनाश का ऐलान करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में नारी और शक्ति का हर उपासक उसे इसका जवाब देगा। यहां एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, कल मुंबई में इंडी गठबंधन की तरफ से एक खुला ऐलान किया गया है। वे लोग हिंदू धर्म में समाहित शक्ति को समाप्त करना चाहते हैं। हिंदू समाज जिन्हें शक्ति मानता है, उस शक्ति के विनाश का उन्होंने ऐलान कर दिया है। अगर शक्ति विनाश का उनका ऐलान है तो शक्ति उपासना का मेरा भी ऐलान है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के समापन के अवसर पर मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित एक रैली में कहा था, हिन्दू धर्म में शक्ति शब्द होता है। हम शक्ति से लड़ रहे हैं...एक शक्ति से लड़ रहे हैं। अब सवाल उठता है कि वह शक्ति क्या है? जैसे किसी ने यहां कहा कि राजा की आत्मा ईवीएम में है। सही है...सही है कि राजा की आत्मा ईवीएम में है... हिंदुस्तान की हर संस्था में है। ईडी में है, सीबीआई में है, आयकर विभाग में में है। उन्होंने किसी नेता का नाम लिए बिना कहा कि इसी प्रदेश (महाराष्ट्र) के एक वरिष्ठ नेता कांग्रेस पार्टी छोड़ते हैं, और उनकी मां सोनिया गांधी से 'रो कर' कहते हैं कि 'मेरे में इन लोगों से... इस शक्ति से लड़ने की हिम्मत नहीं है... मैं जेल नहीं जाना चाहता।

राहुल गांधी ने आगे कहा, ...और ये एक नहीं हैं। ऐसे हजारों लोग डराए गए हैं। क्या आप सोचते हो कि शिव सेना के लोग, राकांपा के लोग ऐसे ही चले गए (भाजपा में)। नहीं... जिस शक्ति की मैं बात कर रहा हूं ... उन्होंने उनका गला पकड़कर उनको भाजपा की ओर किया है और वह सब डरकर गए हैं।

19-03-2024 सूर्यास्त	20-03-2024 सूर्योदय
6:12 बजे	6:19 बजे

BSE	NSE
72,748.42 (+104.99)	22,055.70 (+32.35)

सोना	चांदी
6,814 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	80,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी यूटर्न

लो बजा चुनावी बिगुल पुनः,
दिल्ली में मौसम हुआ गर्म।
जो बदमिजाज बेहया रहे,
उनको भी आने लगी शर्म।
जो लिप्त रहे निज कर्मों में,
वे याद कर रहे लोक धर्म।
हो रहे उग्र जो धारा पर,
वे सब अब होने लगे नर्म।।

चुनावी बॉण्ड की सभी जानकारियों का खुलासा करने एसबीआई को निर्देश

21 मार्च तक खुलासा करे एसबीआई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तीसरी बार भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को फटकार लगाते हुए उसे मनमाना रवैया न अपनाने और 21 मार्च तक चुनावी बॉण्ड योजना से संबंधित सभी जानकारियों का ''पूरी तरह खुलासा'' करने को कहा। उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बॉण्ड से संबंधित सभी जानकारियों का खुलासा करने को कहा जिसमें विशिष्ट बॉण्ड संख्याएं भी शामिल हैं जिससे खरीददार और प्राप्तकर्ता राजनीतिक दल के बीच राजनीतिक संबंध का खुलासा होगा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच सदस्यीय पीठ ने कहा कि इसमें ''कोई संदेह नहीं'' है कि एसबीआई को बॉण्ड की सभी जानकारियों का पूरी तरह खुलासा करना होगा। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग एसबीआई से जानकारियां मिलने के बाद अपनी वेबसाइट पर तुरंत इन्हें अपलोड करे। पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 15 फरवरी को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए केंद्र की चुनावी बॉण्ड योजना को रद्द कर दिया था और इसे ''असंवैधानिक'' करार देते हुए निर्वाचन आयोग को चंदा देने वालों, चंदे के रूप में दी गई राशि और प्राप्तकर्ताओं का 13 मार्च तक खुलासा करने का आदेश दिया था। उच्चतम न्यायालय ने 11 मार्च को एसबीआई को बड़ा झटका देते हुए चुनावी बॉण्ड संबंधी जानकारी का खुलासा करने के लिए समयसीमा बढ़ाने का अनुरोध करने वाली उसकी याचिका खारिज कर दी थी।

अवसर समाप्त होने से पहले लाभ उठाएं।
अपनी अपडेटेड रिटर्न आज ही दाखिल करें।

निर्धारण वर्ष 2021-22 की अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2024

आप निर्धारण वर्ष 2022-23 और निर्धारण वर्ष 2023-24 की अपडेटेड रिटर्न भी दाखिल कर सकते हैं।

अपडेटेड रिटर्न निम्नलिखित मामलों में दाखिल की जा सकती है;

- यदि मूल विवरणी दाखिल नहीं की गई है
- यदि विलंबित विवरणी की समय-सीमा समाप्त हो चुकी है
- यदि आय की घोषणा सही रूप से नहीं की गई है, तो मूल विवरणी में संशोधन के लिए
- यदि आय का गलत शीर्ष चुना गया और गलत दर से कर का भुगतान किया गया
- यदि अग्रनीत हानि या असमायोजित मूल्यह्रास में कमी अपेक्षित हैं
- यदि MAT/AMT क्रेडिट में कमी अपेक्षित हैं
- आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 133 (6) के तहत कटौती/छूट के दावे की सूचना के लिए यदि आपको नोटिस प्राप्त हुआ है, जिसके लिए आपके पास उपयुक्त स्पष्टीकरण/साक्ष्य उपलब्ध नहीं है
- यदि आपने गलत कटौती/छूट का दावा किया है

यदि आप 31.03.2024 तक आईटीआर-यू (अपडेटेड रिटर्न) दाखिल करते हैं	अतिरिक्त कर की देय राशि
निर्धारण वर्ष 2021-22 के लिए	कुल कर और ब्याज का 50% देय
निर्धारण वर्ष 2022-23 और निर्धारण वर्ष 2023-24 के लिए	कुल कर और ब्याज का 25% देय

अधिक जानकारी के लिए,
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 139 (8ए) और 140 (बी) (3) का कृपया संदर्भ लें।
विलंब न करें, आज ही दाखिल करें।

ई-ब्रोशर के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

आयकर विभाग
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
अधिक जानकारी के लिए www.incometax.gov.in पर जाएं

cbc 15401/13/0024/2324

@IncomeTaxIndia @IncomeTaxIndiaOfficial @IncomeTaxIndiaOfficial @Income Tax India @Income Tax India Official

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के नेलमंगला तहसील डाबसपेट के निकट वनकल मलेश्वर महासंस्थान द्वारा संचालित गौशाला में गायों की सेवा के लिए शिव गौसेवा भजन मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट बेंगलूरु की ओर से 111111 रुपए की सहयोग राशि का चेक डॉ बसवा रामानंद स्वामी को प्रदान करते हुए गौसेवक महेंद्र मुणोत एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष हनुमान माली।

गतिशील नेतृत्व विषयक प्रशिक्षण सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जूनियर चेम्बर इंटरनेशनल बेंगलूरु गार्डन सिटी ने 'एक गतिशील नेतृत्व' विषय पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया, जिसमें चेयरमैनशिप और संसदीय प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। राष्ट्रीय प्रशिक्षक हितेश गिरिया ने उपस्थित जनों को कुशल नेतृत्व के गुर सिखाए तथा कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष चेतन पोरवाल, पूर्व अध्यक्ष हितेश सोनीगरा, कोषाध्यक्ष रोहित सुराना और सहसचिव धीरज मालानी आदि उपस्थित थे। शामिल थे।

कमल नाथ के करीबी सहयोगी और कांग्रेस के कुछ पदाधिकारी भाजपा में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। लोकसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के एक करीबी सहयोगी और विपक्षी कांग्रेस के कुछ अन्य पदाधिकारी सोमवार को सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए। बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश प्रभारी भी भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए।

कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता सैयद जफर भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए।

छिंदवाड़ा के मूल निवासी जफर को कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ का करीबी माना जाता था। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर उनकी प्रोफ़ाइल के अनुसार, वह मप्र कांग्रेस के महासचिव पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इस बीच, राज्य कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष के के मिश्रा ने कहा कि जफर फिलहाल पार्टी में कोई पद नहीं संभाल रहे हैं।

इस महीने के शुरु में अटकलें थीं कि कमल नाथ भाजपा में जा सकते हैं, लेकिन उन्होंने ऐसी खबरों को मीडिया की उपज कहकर खारिज कर दिया। सत्तारूढ़ दल भाजपा के एक प्रवक्ता ने कहा कि जफर के अलावा, मध्य प्रदेश कांग्रेस महासचिव मनीषा दुबे, पार्टी के कुछ अन्य नेता और बसपा के प्रदेश प्रभारी रामसखा वर्मा भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कल्याणकारी योजनाओं और भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर भगवा दल में शामिल हो गए।

इस महीने की शुरुआत में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, धार लोकसभा सीट से पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी और कई अन्य कांग्रेस नेता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे।

यशवंतपुर तेरापंथ भवन में शुरु हुआ सात दिवसीय सीपीएस प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशानुसार तेरापंथ युवक परिषद यशवंतपुर द्वारा 7 दिवसीय कॉन्फिडेन्ट पब्लिक स्पीकिंग कोर्स (सीपीएस) प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ तेरापंथ भवन में किया गया। तेयुप मंत्री महावीर गन्ना ने मंच का संचालन किया। सीपीएस संयोजक हितेश दक ने विजय गीत से मंगलाचरण किया और मुख्य प्रशिक्षक संयम जैन का परिचय दिया। अध्यक्ष जिगर मारू ने सबका स्वागत किया।

मुख्य प्रशिक्षक संयम जैन ने सभी स्नातकों को आत्मविश्वास के साथ बात करने का प्रभावी प्रशिक्षण दिया। अभातेयुप के कर्नाटक संभाग के प्रभारी विनोद मुथा ने ख़ुद एक स्नातक के रूप में कार्यशाला में भाग लेकर सबका उत्साहवर्धन किया।

साथ ही अभातेयुप के सीपीएस राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी, राष्ट्रीय प्रशिक्षक अरविन्द मांडोत और बबीता रायसोनी ने भी कार्यशाला में शामिल होकर सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

कन्याकुमारी के महावीर स्वामी जिनालय दादावाड़ी में ध्वजारोहण सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्याकुमारी/बेंगलूरु। जैन तीर्थ संस्थान के तत्वावधान में निर्मित कन्याकुमारी स्थित श्री महावीर स्वामी जिनालय, जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी और राजेन्द्रसूरी गुरु मन्दिर की ध्वजारोहण सोमवार को हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने बताया कि बेंगलूरु के संघवी शांतिदेवी पुखराज तेजराज गुलेच्छा परिवार द्वारा परमात्मा की ध्वजा फहराई गई।

जिनकुशलसूरी गुरुदेव की ध्वजा बबला गुलेच्छा तिन्डीवनम और गुरु राजेन्द्र मंदिर की ध्वजा बगतावरमल हरण मदुरै द्वारा फहराई गई। यात्रा संघ के यात्रियों के द्वारा कन्याकुमारी भोजनशाला में फोटो योजना का लाभ लिया। ध्वजारोहण में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बैंगलोर शाखा के अनेक सदस्य भी उपस्थित थे।

सेना ने सैन्य अनुप्रयोगों वाली प्रौद्योगिकियों पर काम करने के लिए विशिष्ट इकाई बनाई

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना ने एक विशिष्ट इकाई बनाई है जो क्षेत्र की बदलती प्रकृति को देखते हुए सैन्य उपयोग के लिए 6जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी भविष्य की संचार प्रौद्योगिकियों का अनुसंधान और मूल्यांकन करेगी। अधिकारियों ने कहा कि 'सिग्नल टेक्नोलॉजी इवेल्यूएशन एंड एडाप्टेशन ग्रुप' (एसटीईएजी) को तार और बेतार प्रणाली के संपूर्ण विस्तार में प्रौद्योगिकियों का पोषित करने का काम सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि एसटीईएजी की स्थापना भविष्य के युद्धक्षेत्र को ध्यान में रखते हुए प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के सेना के प्रयासों का हिस्सा है।

अधिकारियों में से एक ने कहा, यह विशिष्ट प्रौद्योगिकी का उपयोग करने, अत्याधुनिक समाधानों का लाभ उठाने और शिक्षा जगत व उद्योग के साथ सहयोग को बढ़ावा देकर रक्षा अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त मामलों की पहचान करने की क्षमता से लैस अपनी तरह का पहला संगठन होगा। उन्होंने कहा कि विशिष्ट इकाई इलेक्ट्रॉनिक एक्सचेंज, मोबाइल संचार, सॉफ्टवेयर परिभाषित रेडियो, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, 5जी और 6जी नेटवर्क, क्वांटम टेक्नोलॉजीज, एआई, मशीन लर्निंग आदि सहित सभी आगामी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करेगी।

स्व-नियामकीय पारिस्थितिकी का पालन करें भारतीय स्टार्टअप : अमिताभ कांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जी20 समूह के शेरपा अमिताभ कांत ने सोमवार को कहा कि भारतीय स्टार्टअप कंपनियों को पारदर्शिता और नैतिक आचरण के लिए स्व-नियामकीय पारिस्थितिकी तंत्र का पालन करना चाहिए क्योंकि किसी भी कीमत पर मूल्यांकन बढ़ाने की कोशिश कुशासन की राह पर ले जाती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर भारत एक जीवंत स्टार्टअप आंदोलन खड़ा करना चाहता है तो कोई नियामकीय हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए क्योंकि 'सरकारी विनियमन आने से नवोन्मेषण पर लगाम लगती है।

कांत ने यहां आयोजित 'स्टार्टअप महाकुंभ' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में सक्षम रहा है और अगले पांच वर्षों में इसे दुनिया में स्टार्टअप का सिरमौर बनाना देश के लिए चुनौती है। उन्होंने कहा, स्टार्टअप को स्व-नियामकीय पारिस्थितिकी तंत्र का पालन करना चाहिए क्योंकि इससे हमारे स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में पारदर्शिता और नैतिक व्यवहार आएगा। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कांत ने स्टार्टअप को 'राष्ट्रीय संपत्ति' बताते हुए कहा कि उन्हें सर्वोत्तम व्यवहार को लागू करना होगा और इसी तरीके से वे निवेशकों को आकर्षित कर पाएंगे और अंततः टिकाऊ वृद्धि हासिल कर पाएंगे। उन्होंने कहा, स्टार्टअप का वृद्धि पर ध्यान देना बेहद अहम है...लेकिन हर कीमत पर मूल्यांकन पर ध्यान कभी-कभी उन्हें कुशासन की ओर ले जाता है।

कांत ने भारत में कुछ स्टार्टअप को पेश आईं चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि स्टार्टअप कंपनियों के सभी अगुवा लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उचित वित्तीय प्रबंधन और ऑडिट हो। उन्होंने कहा, मैंने स्टार्टअप को फलते-फूलते देखा है जबकि बायजू, गोमैकेनिक, हाउसिंग डॉटकॉम और ट्रेल जैसे स्टार्टअप को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इनके लिए अच्छा कॉरपोरेट प्रशासन होना ही चाहिए।

केजरीवाल जल बोर्ड से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी के सामने पेश नहीं हुए

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन पर सोमवार को उसके सामने पेश नहीं हुए। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) ने समन को गैरकानूनी बताया और केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर केजरीवाल को निशाना बनाने और उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकने के लिए ईडी का ''इस्तेमाल'' करने आरोप लगाया। पार्टी ने आरोप लगाया, समन अवैध है। भाजपा ईडी का इस्तेमाल करके लोकसभा चुनाव लड़ना चाहती है।

भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पलटवार करते हुए कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने ईडी के समन पर बार-बार पेश नहीं होकर अपना सम्मान गंवा दिया है और आरोप लगाया है कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) में घोटाला हुआ है।

वायुसेना ने आंध्रप्रदेश में आपात स्थिति में विमानों को उतारने का अभ्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बापटला (आंध्र प्रदेश)/भाषा। भारतीय वायुसेना ने सोमवार को यहां पिचिकालगुडिपाडु गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर विमानों की आपात 'लैंडिंग' का सफल परीक्षण किया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

बापटला के पुलिस अधीक्षक वकुल जिंदल ने बताया कि किसी भी भावी आकस्मिक स्थिति का सामना करने के लिए वायुसेना ने अपनी आपात तैयारी को सशक्त बनाने के तहत यह परीक्षण किया जिसमें दो मालवाहक विमानों-- एएन 32 और डोर्नियर ने हिस्सा लिया।

जिंदल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, लैंडिंग (आपात स्थिति में विमान के उतरने का) परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया। दो मालवाहक विमान एएन 32 एवं डोर्नियर (राजमार्ग पर) उतरे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर 4.1 किलोमीटर लंबी आपात लैंडिंग सुविधा युद्धकाल में विमानों के उतरने के विकल्प के रूप में उपलब्ध रहेगी।

यह अभ्यास पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न एक बजे तक दो घंटे के अंदर दो बार किया गया और इसके लिए बापटला जिला पुलिस ने सुबह साढ़े सात बजे से अपराह्न एक बजे तक राजमार्ग पर यातायात का मार्ग बदल दिया था।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सुखोई 30 समेत कुछ जंगी विमानों ने भी उड़ान भरी लेकिन वे राजमार्ग पर नहीं उतरे।

प्रधानमंत्री मोदी ने पंजाब की 15 वर्ष की खिलाड़ी तन्वी शर्मा के प्रदर्शन की प्रशंसा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होशियारपुर (पंजाब)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब की 15 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा को पत्र लिखकर 2023 में बैडमिंटन प्रतियोगिताओं के दौरान उनके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन की प्रशंसा की है। तन्वी शर्मा ने मलेशिया में आयोजित सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था।

बैडमिंटन खिलाड़ी को लिखे पत्र में मोदी ने पूरे देश की ओर से अंतरराष्ट्रीय मंच पर युवा खिलाड़ी की उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई दी। मोदी ने भारत की खेल प्रतिभाओं पर गौरवान्वित होते हुए खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता जैसे टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) का भी जिक्र किया जिसका उद्देश्य भारत के स्टार खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय सुविधायें और वैश्विक कोचिंग विशेषज्ञता की पहुंच मुहैया कराना है ताकि वे शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन कर सकें। प्रधानमंत्री ने पत्र में तन्वी की सफलता को देश के उभरते हुए असंख्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि 'टॉप्स' जैसी पहल और खेलों में मौकों के बारे में जागरूकता पैदा करके तन्वी की उपलब्धियों ने सिर्फ खेल संस्कृति ही नहीं बल्कि 'फिट इंडिया' अभियान में भी योगदान दिया है।

इनामी नक्सली दंपति ने किया आत्मसमर्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में इनामी नक्सली दंपति ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सुकमा जिले के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों की किस्टाराम एरिया कमेटी की कृषि शाखा के अध्यक्ष सोड़ी सुक्का उर्फ सोड़ी कोसा (45) और उसकी पत्नी सोड़ी सुक्की (37) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि नक्सली कोसा के सर पर पांच लाख रुपए और सुक्की के सिर पर दो लाख रुपए का इनाम घोषित है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने पूना नर्कोम अभियान (नई सुबह, नई शुरुआत) से प्रभावित होकर तथा माओवादी नेताओं के भेदभावपूर्ण व्यवहार से तंग आकर हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ जिले में पुलिस दल पर हमला करने समेत कई नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को राज्य सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सहायता प्रदान की जाएगी।

कांग्रेस नेता सतीशन ने विजयन पर भाजपा के लिए 'संभावनाएं' बनाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

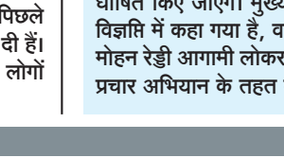

तिरुवनंतपुरम/भाषा। लोकसभा चुनाव के वास्ते प्रचार अभियान के गति पकड़ने के साथ ही केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने सोमवार को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर राज्य में भारतीय जनता पार्टी के लिए 'संभावनाएं' पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

तिरुवनंतपुरम के समीप अटिंगल में सतीशन ने दृढ़तापूर्वक कहा कि भाजपा इन सारी तिकड़मों के बावजूद लोस चुनाव के दौरान राज्य में अपने पैर नहीं जमा पायेगी। उन्होंने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के संयोजक ई.पी. जयराजन के पिछले बयान का भी हवाला दिया कि केरल में कई निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा दूसरे नंबर पर आयेगी और उसके कई प्रत्याशी अच्छे हैं। माकपा के नेता जयराजन ने जो कुछ कहा है, वैसा कोई विचार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के सुरेंद्रन या उनकी पार्टी ने व्यक्त नहीं किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विजयन केंद्र में सत्तारूढ़ 'भाजपा को खुश करने' के चक्कर में 'बेचारे' जयराजन को ऐसा बयान देने के लिए बाध्य कर रहे हैं। सतीशन ने आरोप लगाया कि विजयन विभिन्न मामलों में जांच को लेकर आशंकित हैं, इसलिए वह ''भाजपा के लिए संभावनाएं पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। त्रिशूर लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले का उल्लेख करते हुए सतीशन ने दावा किया कि मध्य केरल की इस सीट पर संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के उम्मीदवार और दिवंगत कांग्रेस नेता के करुणाकरण के बेटे के. मुरलीधरन विजयी होंगे।

उत्तराखंड में नाबालिग लड़की के अपहरण के बाद मुस्लिम दुकानदारों की दुकानें जबरन बंद कराई गईं

पिथौरागढ़ (उत्तराखंड)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बरेली के कुछ लोगों द्वारा कथित तौर पर 2 नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर ले जाने के बाद एक स्थानीय व्यापारी संगठन ने जिले के धारचूला में मुस्लिम दुकानदारों को दुकानें बंद करने के लिए मजबूर किया और उन्हें शहर से बाहर निकालने की अपील की। धारचूला व्यापार संघ ने 91 व्यापारियों की सदस्यता रद्द कर दी है, जिनमें अधिकतर मुस्लिम हैं। साथ ही संघ के सदस्यों ने पिछले तीन दिन से उन्हें दुकानें नहीं खोलने दी हैं। उन्होंने मकान मालिकों से ऐसे बाहरी लोगों को बाहर निकालने को भी कहा है।

आंध्र प्रदेश: 21 दिन की बस यात्रा पर रवाना होंगे मुख्यमंत्री रेड्डी

अमरावती/भाषा। वाईएसआरसीपी के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार के सिलसिले में जल्द ही 21 दिन की राज्यव्यापी बस यात्रा पर रवाना होंगे। मंगलवार को यात्रा कार्यक्रम जारी किया जा सकता है। यात्रा 26 या 27 मार्च को शुरू होने की उम्मीद है और यह सभी संसदीय क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। आंध्र प्रदेश में विसऔर लोस चुनाव 13 मई को होने हैं और चार जून को परिणाम घोषित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार अभियान के तहत बस यात्रा शुरू करेंगे।

जनता को फिर से शासन नहीं सौंपना चाहता जम्मू कश्मीर प्रशासन : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुलगाम (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को जम्मू कश्मीर प्रशासन पर केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने में ''विघ्न'' डालने का आरोप लगाया और कहा कि मौजूदा सरकार बेताज बादशाहों की तरह शासन करना जारी रखना चाहती है। अब्दुल्ला ने अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र के लिए पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करने के बाद यहां संवाददाताओं से कहा, हम लोकसभा चुनावों के साथ ही (विधानसभा) चुनाव भी चाहते थे लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। जम्मू कश्मीर के मौजूदा प्रशासन ने चुनाव कराने में विघ्न डाला क्योंकि वे जनता को दोबारा सत्ता नहीं सौंपना चाहते। वे बेताज बादशाहों की तरह शासन कर रहे हैं।

इससे पहले यहां जिले के दमहाल हांजीपोरा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नेशनल कान्फ्रेंस के नेता अब्दुल्ला ने कहा कि नौकरशाहों ने विधानसभा चुनाव कराने में विघ्न डाला। उन्होंने कहा, विधानसभा चुनाव कराने में बाधाएं हमारे अधिकारियों ने यह कहकर डालीं कि वे पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं कर सकते। आप खुद कहते हैं कि स्थिति बेहतर है, सामान्य स्थिति बहाल हो गई है, अब बंदूकों का कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा, यदि बंदूकों का ख़तरा नहीं है, तो आपको ज़्यादा सुरक्षा तैनाती की ज़रूरत नहीं होगी और अगर ज़रूरत नहीं है, तो आपको चुनाव कराना चाहिए था। वास्तविकता यह है कि वे बिगड़ रहे हैं।

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि निर्वाचन आयोग को इस साल उच्चतम न्यायालय की 30 सितंबर की समय सीमा से पहले विधानसभा चुनाव कराने होंगे, जो शीर्ष अदालत ने अनुच्छेद 370 को रद्द करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के बाद अपना आदेश पारित करते समय दिया था। उन्होंने कहा, हम ईश्वर का धन्यवाद देते हैं कि उन्हें उच्चतम न्यायालय के अनुसार 30 सितंबर से पहले यहां चुनाव संपन्न कराने होंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने भी कहा है कि समय सीमा से पहले चुनाव होंगे।

विपक्षी दलों की ईवीएम के बारे में शिकायत पर टिप्पणी पूछे जाने पर, अब्दुल्ला ने कहा कि भले ही वह चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल के खिलाफ शिकायत करें, फिर भी उनका इस्तेमाल किया जाएगा क्योंकि ईसीआई फिर से कागजी मतपत्रों का उपयोग करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, इसलिए, हमें अपने एजेंटों को सतर्क रखना होगा और किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं होने देनी होगी।

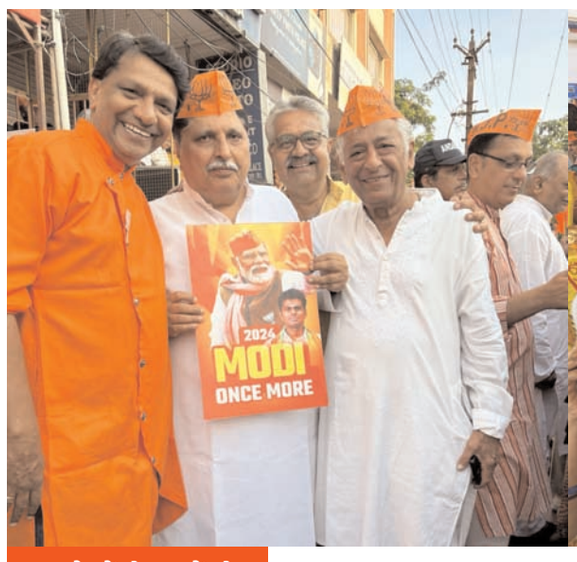

प्रधानमंत्री मोदी ने कोयंबटूर में रोड शो किया

- लोगों ने फूलों से किया स्वागत
- रोड़ के दोनों तरफ बड़ी संख्या में लोगों ने किया अभिवादन
- कोयम्बटूर सीरियल धमाकों में मृतकों को दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां रोड शो किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने लगातार मोदी, मोदी' के नारे लगाए और पारंपरिक संगीत की धुन बजाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। जैसे ही मोदी ने एक खुले वाहन में अपना रोड शो शुरू किया, सड़क के दोनों ओर जमा हुए लोगों ने उन पर फूल बरसाए और उनके समर्थन में नारे लगाए। रोड शो के दौरान कुछ लोग उत्साहपूर्वक झूमते नजर आए। यह पहला मौका है, जब प्रधानमंत्री ने कोयंबटूर में रोड शो किया है।

रोड शो के दौरान भाजपा समर्थकों ने 'एक बार फिर मोदी, हम मोदी को चाहते हैं' जैसे नारे लगाए। सड़कों पर कतार में खड़े कई लोगों ने मोदी के स्वागत के लिए हाथों में कमल के फूल लिए हुए थे और उन्होंने 'भारत माता की जय'' के नारे लगाए। मोदी ने रोड शो के दौरान हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। रोड शो के दौरान कुछ लोग उत्साहपूर्वक झूमते नजर आए। यह पहली बार है, जब प्रधानमंत्री ने कोयंबटूर में रोड शो किया है। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई, कोयंबटूर दक्षिण से विधायक एवं भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानथी श्रीनिवासन और केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन मोदी के साथ थे।

रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री ने टीवी स्वामी रोड होते हुए पोस्ट ऑफिस सर्कल पर पहुंचकर वर्ष 1998 में हुए कोयम्बटूर सीरियल धमाकों में मृतक लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। गौरतलब है कि इन बम धमाकों में 68 लोगों की जान गई वहीं 250 से अधिक लोग

घायल हुए थे। तमिलनाडु की राजनीति में भाजपा के विस्तार में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई की विशेष भूमिका रही है। उन्होंने अपनी पदयात्रा के दौरान पूरे तमिलनाडु में भाजपा का अलख जगाया है। दक्षिण भारत में तीन महीनों में इतने दौरे कोई भी प्रधानमंत्री ने किए जितने प्रधानमंत्री मोदी ने किए हैं। उन्होंने तमिलनाडु में कई हजार करोड़ की परियोजना का शिलान्यास और शुभारंभ भी किया है।

कोयंबटूर में मोदी का रोड शो मद्रास उच्च न्यायालय से मंजूरी मिलने के बाद हो रहा है। पुलिस ने सांप्रदायिक रूप से 'संवेदनशील' इलाका होने और परीक्षाओं होने का कारण बताकर रोड शो की इजाजत देने से इनकार कर दिया था। जिले ने अतीत में भाजपा का समर्थन किया है।

यहां से 1990 के दशक में सीपी राधाकृष्णन भाजपा के टिकट पर दो बार लोकसभा पहुंचे थे जो फिलहाल झारखंड के राज्यपाल हैं। वहीं, 2021 के तमिलनाडु विधानसभा पार्टी की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वी.श्रीनिवासन ने जीत दर्ज की थी। प्रधानमंत्री के एक दिन में दक्षिण में तीन कार्यक्रम संकेत करते हैं कि भाजपा लोकसभा चुनाव में 400 सीटें जीतने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए दक्षिणी राज्यों में राजनीतिक तौर पर पैठ बनाने की कोशिश में है।

पार्टी का लक्ष्य पांच दक्षिणी राज्यों आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना के अलावा केंद्र शासित पुडुचेरी और लक्षद्वीप में भी अच्छी बढ़त हासिल करना है। निवर्तमान सदन में, भाजपा का केरल और तमिलनाडु से कोई प्रतिनिधित्व नहीं है, जहां क्रमशः 20 और 39 लोकसभा सीट हैं।

पोनमुडी को मंत्रिमंडल में दोबारा शामिल करने पर रवि व स्टालिन में टकराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और राजभवन के बीच विवाद का एक और दौर शुरू होते हुए राज्यपाल आर.एन. रवि ने वरिष्ठ द्रमुक नेता और पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री के. पोनमुडी को आय से अधिक मामले में मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए जाने और तीन साल की जेल की सजा सुनाए जाने के बाद भी मंत्रिमंडल में फिर से शामिल करने से इनकार कर दिया है। उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी थी।

मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन की ओर से पोनमुडी को मंत्रिपरिषद में फिर से शामिल करने के अनुरोध पर राज्यपाल के इनकार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सोमवार को राज्यपाल के कृत्य को अदालत की अवमानना ङ्कङ्ककरार दिया और उन्हें हटाने की मांग की। वरिष्ठ

वकील और द्रमुक के राज्यसभा सांसद पी.विल्सन ने कहा कि श्री पोनमुडी को कैबिनेट में दोबारा शामिल करने से इनकार करने वाले राज्यपाल के फैसले के खिलाफ द्रमुक शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाएगी।

स्टालिन ने बुधवार को राज्यपाल को एक पत्र भेजकर श्री पोनमुडी को मंत्रिमंडल में फिर से शामिल करने की मांग की थी और अगले दिन शपथ ग्रहण समारोह होने की भी उम्मीद थी। राज्यपाल हालांकि, गुरुवार सुबह तीन दिवसीय यात्रा पर नयी दिल्ली के लिए रवाना हुए। जाहिर तौर पर कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करने के लिए क्योंकि शीर्ष अदालत ने केवल अंतरिम अवधि के लिए दोषसिद्धि और सजा को निलंबित कर दिया और इसे पूरी तरह से रद्द नहीं किया था। रविवार शाम को शहर लौटने पर, राज्यपाल ने मुख्यमंत्री के पत्र के जवाब में कहा कि उन्होंने पोनमुडी को मंत्रिमंडल में फिर से शामिल करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि ऐसा करना संवैधानिक नैतिकता के खिलाफ होगा।

स्टालिन को लिखे एक पत्र में राज्यपाल रवि ने कहा कि यह ध्यान रखना उचित है कि शीर्ष अदालत ने पोनमुडी को अंतरिम राहत के माध्यम से दोषसिद्धि को निलंबित कर दिया था। राजभवन के सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका मतलब केवल यह है कि दोषसिद्धि हालांकि, मौजूदा थी, निष्क्रिय कर दी गई थी और रद्द नहीं की गई थी।

जिन अपराधों के लिए पोनमुडी को दोषी ठहराया गया था, वे भ्रष्टाचार से संबंधित बहुत गंभीर थे जो उन्होंने एक लोक सेवक के रूप में किया था।

रवि को पत्र में यह कहते हुए उद्धृत किया गया, चूंकि वह भ्रष्टाचार के दागदार हैं, इसलिए मंत्री के रूप में उन्हें दोबारा शामिल करना संवैधानिक नैतिकता के खिलाफ होगा और इसलिए, मैं आपके अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ हूं।

दिसंबर 2023 में आय से अधिक संपत्ति के मामले में मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा तीन साल की जेल की सजा सुनाए जाने के बाद श्री पोनमुडी को स्वत: ही विधायक के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। बाद में शीर्ष अदालत ने उनकी दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगा दी थी।

उच्च न्यायालय के आदेश पर शीर्ष अदालत की रोक के मद्देनजर, तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष एम.अप्पावु, जिन्होंने पहले पोनमुडी की अयोग्यता के बाद उनके पास मौजूद थिरुक्कोविलूर विधानसभा सीट को रिक्त घोषित किया था, ने बाद में अपना निर्णय रद्द कर दिया तथा राजपत्र में एक अधिसूचना भी जारी की। इससे पूर्व मंत्री के मंत्रिमंडल में पुनः शामिल होने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

विल्सन ने कहा कि पर राज्यपाल ने ऐसा करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद द्रमुक ने शीर्ष न्यायालय का रुख करने और आज देश के मुख्य न्यायाधीश की पहली पीठ के समक्ष मामले पर तत्काल सुनवाई की मांग करने का फैसला किया। एक लंबे सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि राज्यपाल बार-बार दोषी साबित हो रहे हैं और संविधान का बिल्कुल भी सम्मान नहीं कर रहे हैं। विल्सन ने कहा,संविधान, कानून और शीर्ष अदालत के आदेशों के प्रति कोई सम्मान न रखने वाले ऐसे राज्यपाल को तुरंत बर्खास्त करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा,मैं राष्ट्रपति से आग्रह करता हूं कि उन्हें तुरंत वापस बुलाया जाए क्योंकि यह राज्यपाल के पद का अपमान है। जब वह माननीय शीर्ष न्यायालय के आदेशों का जानबूझकर उल्लंघन करने के स्तर तक गिर गए हैं, अपमान कर रहे हैं संवैधानिक प्रावधानों और कानून के शासन की अनदेखी करते हुए, वह अब पद पर बने रहने के लायक नहीं हैं। इसके लिए राज्यपाल पर अवमानना का मुकदमा भी चलाया जाना चाहिए।

राज्यपाल के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की याचिका पर शीघ्र सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) विधायक के. पोनमुडी को राज्य मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए राज्यपाल आर. एन. रवि को निर्देश देने की मांग वाली तमिलनाडु सरकार की याचिका पर शीघ्र सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और पी विल्सन की दलीलें सुनने के बाद शीघ्र सुनवाई के लिए मामले को सूचीबद्ध करने की उनकी गुहार स्वीकार की।

पीठ की ओर से न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सिंघवी से कहा कि वह मामले की शीघ्र सुनवाई की गुहार से संबंधित ईमेल भेजें। मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा, हम इस पर गौर करेंगे।

ज्ञातव्य है कि श्री पोनमुडी आय से अधिक संपत्ति के एक मुकदमे में आरोपी हैं और उच्चतम न्यायालय ने 11 मार्च को उनकी सजा पर रोक लगा दी थी। शीर्ष अदालत के इस आदेश के बाद उनकी विधानसभा की सदस्यता बहाल कर दी थी।

इसके बाद मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल करने की सिफारिश की, लेकिन राज्यपाल ने पोनमुडी को मंत्री पद की शपथ दिलाने से इनकार कर दिया था।

राज्यपाल ने इस आधार पर इनकार कर दिया कि श्री पोनमुडी की सजा रद्द नहीं की गई, बल्कि सिर्फ रोक लगाई गई है। राज्यपाल के इस फैसले के बाद राज्य सरकार ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया।

शीर्ष अदालत के समक्ष श्री पोनमुडी का पक्ष रखते हुए सिंघवी ने 'विशेष उल्लेख' के दौरान तमिलनाडु सरकार की याचिका का उल्लेख किया और तत्काल सूचीबद्ध करने की गुहार लगाई। सिंघवी ने पीठ के समक्ष राज्यपाल के संबंध में कहा, यह वही दोषी राज्यपाल हैं, जिनके खिलाफ (पहले) निर्देश पारित किए गए थे।

गौरतलब है कि मद्रास उच्च न्यायालय ने श्री पोनमुडी को दिसंबर 2023 में दोषी ठहराया था और तीन वर्ष कारावास की सजा सुनाई थी। इससे पहले वह राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री थे। पूर्व मंत्री ने उच्च न्यायालय के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी, जहां उनकी सजा पर रोक लगा दी गई।

अदालत ने पनीरसेल्वम पर अन्नाद्रमुक का चिह्न, लेटरहेड इस्तेमाल करने पर रोक लगायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने सोमवार को अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित नेता ओ पनीरसेल्वम के पार्टी के आधिकारिक लेटरहेड, आरक्षित चिह्न दो पत्तियां और पार्टी के झंडे का उपयोग करने पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति एन सतीशकुमार ने अन्नाद्रमुक महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री ई. के. पलानीस्वामी द्वारा दायर एक वाद और आवेदन पर यह आदेश पारित किया।

मूल रूप से पलानीस्वामी द्वारा दायर एक वाद पर, न्यायमूर्ति सतीशकुमार ने 7 नवंबर, 2023 को एक अंतरिम आदेश पारित किया था, जिसमें पनीरसेल्वम को पार्टी लेटरहेड, चिह्न और ध्वज का उपयोग करने से रोक दिया गया था। इसके खिलाफ पनीरसेल्वम ने अपील दायर की थी। न्यायमूर्ति आर महादेवन और न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीक की खंडपीठ ने 11 जनवरी, 2024 को पनीरसेल्वम द्वारा दायर तीन अपीलों को खारिज कर दिया था।

हालांकि पीठ ने निष्कासित नेता को अपने खिलाफ पारित आदेश यदि कोई हो, को रद्द करने के लिए आवश्यक आवेदन दायर करके एकल न्यायाधीश से संपर्क करने की स्वतंत्रता दी थी। पीठ ने कहा था कि इस तरह के आवेदन दाखिल करने पर न्यायाधीश उसके गुणदोष के आधार पर और कानून के अनुसार उचित आदेश पारित करेंगे। तदनुसार, पनीरसेल्वम ने एकल न्यायाधीश से संपर्क किया था।

दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति सतीशकुमार ने पलानीस्वामी द्वारा दायर मुकदमे से उत्पन्न आवेदनों पर सुनवायी की और वर्तमान आदेश पारित किया। शीर्ष दो नेताओं के बीच सत्ता संघर्ष में पन्नीरसेल्वम को जुलाई 2022 में अन्नाद्रमुक की एक आम सभा द्वारा निष्कासित कर दिया गया था। बाद में पलानीस्वामी को मुख्य विपक्षी दल के शीर्ष नेता के रूप में चुना गया था।

तमिलसाई सुंदरराजन ने दिया इस्तीफा, लड़ सकती हैं चुनाव

चेन्नई। पुडुचेरी की उपराज्यपाल और तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेज दिया है। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की उपराज्यपाल और तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में नियुक्ति से पहले डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन भाजपा की तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष थीं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने थूथुकुडी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की बहन, डीएमके नेता कनिमोझी करुणानिधि से हार गईं थी। जानकारी के मुताबिक वह बीजेपी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं।

चुनावी बॉन्ड घोटाले ने भाजपा को भ्रष्ट साबित किया, मोदी भ्रष्टाचार की बात नहीं कर सकते : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के.स्टालिन ने रविवार को कहा कि चुनावी बांड घोटाला ने साबित कर दिया कि भारतीय जनता पार्टी भ्रष्ट है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचार के बारे में बात नहीं कर सकते। उन्होंने लोकसभा चुनाव में केंद्र की भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक के बीच एकता का आह्वान किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मुंबई में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए स्टालिन सोमवार को चेन्नई से मुंबई पहुंचे और कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है और इंडी गठबंधन का एकमात्र लक्ष्य देश को बचाने के लिए खुद को समर्पित करना और भाजपा को हराना है।

स्टालिन ने जानना चाहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड के नाम पर 8,000 करोड़ रुपये किसने एकत्रित किए और उन्होंने इसे भाजपा का सफेदपोश भ्रष्टाचार करार दिया। उन्होंने पुछा कि क्या ऐसे प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार की बात कर सकते हैं? उन्होंने विश्वास व्यक्त

किया कि अगामी लोकसभा चुनाव में इंडी गठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि देश के लिए भाजपा से बड़ा कोई खतरा नहीं है और राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की असली जीत भाजपा को हराने और केंद्र में वास्तविक संघीय, धर्मनिरपेक्ष और समावेशी सरकार बनाने में निहित है।

यह कहते हुए कि वह अपने प्रिय भाई राहुल गांधी को अपनी शुभकामनाएं देने के लिए चेन्नई से मुंबई आए हैं, स्टालिन ने कहा कि वह कन्याकुमारी से शुरू हुए भारत जोड़ो यात्रा में बेहद गर्व के साथ यहां (मुंबई) आए हैं।

उन्होंने कहा, आपकी यात्रा आज मुंबई पहुंची है। यह जल्द ही दिल्ली पहुंचेगी। द्रमुक प्रमुख ने यह दावा करते हुए कि इंडी गठबंधन सरकार बनाएगा, कहा कि राहुल जहां भी जाते हैं वहां उत्सव जैसा माहौल होता है क्योंकि लोग उन्हें ऐसा स्वागत और प्यार देते हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को इस यात्रा के दौरान भाजपा सरकार की ओर से कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने श्री राहुल की यात्रा को अनुमति देने से इनकार करने के लिए कई मूर्खतापूर्ण कारणों का हवाला दिया। इन सबके बावजूद राहुल ने निर्भीकतापूर्वक अपनी यात्रा को जारी रखा। राहुल की जनसभाओं ने भाजपा की नींद हराम कर दी। उन्हें सांसद पद से हटा दिया गया लेकिन उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में लड़ाई लड़ी और जीत हासिल की और संसद में फिर से दहाड़ा।

द्रमुक ने सहयोगी दलों के लिए लोकसभा सीटों के आवंटन को अंतिम रूप दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में कांग्रेस को नौ लोकसभा सीट और पुडुचेरी में एकमात्र सीट आवंटित करने के कुछ दिनों बाद द्रमुक ने सोमवार को उन विशिष्ट निर्वाचन क्षेत्रों के नाम बताए, जहां से उसकी प्रमुख सहयोगी कांग्रेस चुनाव लड़ेगी।

द्रमुक ने अन्य सहयोगी एमडीएमके को तिरुचिरापल्ली सीट आवंटित की है। वर्तमान में कांग्रेस के एस. थिरुनावुक्कारासर तिरुचिरापल्ली सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। द्रमुक की गठबंधन सहयोगी कांग्रेस तिरुवल्लूर (आरक्षित), कुड्डालोर, मयिलादुथुराई, शिवगंगा, तिरुनेलवेली, कृष्णागिरि, करूर, विरुधुनगर और कन्याकुमारी सीटों से चुनाव लड़ेगी।

इन नौ सीटों में से कुड्डालोर, मयिलादुथुराई और तिरुनेलवेली वर्तमान में द्रमुक के पास हैं और अन्य सीटें 2019 में द्रविड़ पार्टी के सहयोगी के रूप में कांग्रेस ने जीती थीं।

इसके साथ ही द्रमुक ने अपने और अपने सहयोगियों के लिए लोकसभा चुनाव क्षेत्रों के बंटवारे की कवायद पूरी कर ली है।

अजमेर में साबरमती-आगरा कैंट का इंजन व चार डिब्बे पटरी से उतरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। साबरमती-आगरा कैंट ट्रेन का इंजन व चार बोगियां रविवार देर रात अजमेर के पास पटरी से उतर गयीं। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता कैप्टन शशि किरण ने बताया कि साबरमती-आगरा कैंट गाड़ी संख्या 12548 का इंजन और चार जनरल बोगियां पटरी से उतर गयीं। यह हादसा रविवार देर रात करीब एक बजे अजमेर के पास मदार में होम सिग्नल के पास हुआ। उन्होंने बताया कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।

रेलवे अधिकारी व कर्मचारियों ने रेल यातायात बहाल करने का काम शुरू किया। यहां 'डाउन लाइन' पर रेल संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। हालांकि, हादसे के कारण छह ट्रेन रद्द कर दी गई हैं।

अनेक गाड़ियों का संचालन भी प्रभावित हुआ है। जिन ट्रेन को रद्द किया गया है उनमें गाड़ी संख्या 12065, अजमेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला, गाड़ी संख्या 22987 अजमेर-आगरा फोर्ट, गाड़ी संख्या 09605 अजमेर-गंगापुर सिटी, गाड़ी संख्या 09639 अजमेर-रेवाड़ी, गाड़ी संख्या 19735 जयपुर-मारवाड़ तथा गाड़ी संख्या 19736 मारवाड़-जयपुर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हादसे के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है।

उन्होंने बताया कि रेलवे द्वारा अजमेर स्टेशन पर एक हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है और हेल्पलाइन नंबर 0145-2429642 जारी किया गया है।

एकता, अखंडता को नुक़सान पहुंचाने वाले को टिकट नहीं दिए जाने का उलेमा बोर्ड ने किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। केन्द्रीय आल इण्डिया उलेमा बोर्ड ने आगामी लोकसभा चुनाव-2024 में देश की एकता अखंडता और भाईचारे को नुकसान पहुंचाने वालों को टिकट नहीं देने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फैसले का स्वागत करते हुए शुक्रिया अदा किया है। बोर्ड के प्रवक्ता सैय्यद मुजफ्फर अली ने सोमवार को यहां बताया कि मुसलमानों के धार्मिक और सामाजिक बुद्धिजीवी वर्गों की संस्था आल इण्डिया उलेमा बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव अल्लामा बुनई हसनी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर धन्यवाद दिया है तथा मिलने का समय भी मांगा है। बोर्ड के प्रवक्ता सैयद मुजफ्फर अली ने बताया कि बोर्ड ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि भारतीय जनता पार्टी ने इस लोकसभा चुनाव में वैसे नेताओं का टिकट काट कर सराहनीय कदम उठाया है, जिनके विवादस्पद बयानबाज़ी से न केवल देश का माहौल खराब होता है बल्कि प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मकसद को भी कहीं न कहीं नुकसान पहुंचता है।

उन्होंने बताया कि सांप्रदायिक बयान देने वालों को दरकिनार करना यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के विकास की रफ्तार को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी प्रकार की बाधा को बर्दाश्त नहीं कर सकते, प्रधानमंत्री की इस सोच को उलेमा बोर्ड सलाम करती है।

अंतरराज्य एटीएम डकैत मुस्ताक गिरफ्तार

अलवर। राजस्थान सहित अनेक राज्यों में एटीएम लूट और डकैती आदि के करीब आधा दर्जन से अधिक मामलों में आरोपी मुस्ताक उर्फ कन्नड़ मेव को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा द्वारा चलाए जा रहे वांछित आरोपियों की धर पकड़ अभियान के अंतर्गत उक्त आरोपी मुस्ताक उर्फ कन्नड़ (26) को उसके गांव करोली जागीर से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी थाना चंदवाजी जिला जयपुर ग्रामीण के 21 लाख रुपये कि एटीएम डकैती के प्रकरण में वांछित है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ अनेक राज्यों में एटीएम तोड़ने और लूटने के आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

'अबकी बार 400 पार' का नारा अब जन-जन की जुबां पर : अरूण चतुर्वेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रीति और नीतियों से प्रभावित होकर उनके नेतृत्व में अंत्योदय के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का संकल्प लेते हुए आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में विभिन्न राजनैतिक दलों से आए पूर्व विधायक, विधायक प्रत्याशी, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्यों के साथ सरपंच और तीन दर्जन से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थामा। इस अवसर पर जालौर के पूर्व विधायक और दलित नेता रामलाल मेघवाल, देवली-उनियारा से आरएलपी प्रत्याशी रहे डॉ. विक्रम सिंह गुर्जर, एससी प्रकोष्ठ जालौर के जिलाध्यक्ष गोकुल परिहार, जालौर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री रमेश मेघवाल, समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व सदस्या भावना गर्ग और फैशन डिजाइनर अर्चना सुराणा सहित अन्य लोगों को मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने भाजपा का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण कराई।

सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ज्वाईनिंग कमेटी के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम सभी का एक ही नारा है अबकी बार 400 पार। पीएम मोदी के 10 वर्षों के सुशासन में आम आदमी का जीवन सरल हुआ है। समाज में अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए सैंकड़ो लोक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

वहीं प्रदेश की भजनलाल सरकार ने महज तीन महिने में प्रदेश में अपने संकल्प पत्र को पूरा करने के लिए ऐतिहासिक कार्य किये हैं। वहीं कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व आज नशे में है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष यात्रा कर रहे है, उन्हें पार्टी के भीतर क्या हो रहा है इसका मालूम नहीं है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, श्रवण सिंह बगड़ी और प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मौजूद रहे।

एनडीपीएस धारा खत्म करवाना मेरा पहला मुद्दा होगा : आंजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस के घोषित उम्मीदवार उदयलाल आंजना ने सोमवार को कहा कि अगर वह संसद में गये तो एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/29 को खत्म करवाना उनका पहला मुद्दा होगा। आंजना ने यहां कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत में संसदीय राजनीति के प्रमुख अफीम मुद्दे सहित किसानों के हितों पर

चुनाव लड़ने की बात कहते हुये स्पष्ट किया कि किसानों का शोषण करने वाली धारा को हटवाना उनका संसद में पहला मुद्दा होगा। इसके साथ ही उन्होंने सीपीएस पद्धति से अफीम खेती को भी बंद करवाने की बात कहने के साथ मादक पदार्थ नियंत्रण पर मनमोहन सरकार द्वारा हस्ताक्षरित अंतरराष्ट्रीय नीति को भी सिरे से खारिज कर दिया।

उन्होंने सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी चंद्र प्रकाश जोशी पर एनडीपीएस की धारा 8/29 को किसानों को दबाने के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुये सवाल किया कि अगर वह आज इस धारा को हटवाना चाहते हैं, तो 10 सालों से क्या कर रहे थे?

इससे पूर्व सम्मेलन में उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि वह जिले के कांग्रेस नेता हैं और उनकी उम्मीदवारी से कई खेमों में बंटी कांग्रेस एक हो गयी है और पूरी ताकत से चुनाव लड़कर जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने लगातार हार से उत्पन्न हुई मायूसी से बाहर निकलने का आह्वान किया। यह अलग बात है कि आज जिस कार्यकर्ता सम्मेलन में वह शामिल हुये, वह पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिवदयाल शर्मा गुट से जुड़े कार्यकर्ताओं का था जबकि बुधवार को ही शहर में पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह जाड़ावत गुट की ओर से सम्मेलन प्रस्तावित है।

ईडी के सामने हाजिर नहीं हुए पूर्व मंत्री महेश जोशी

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मंत्री महेश जोशी सोमवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय नहीं गए। ईडी ने जल जीवन मिशन में कथित घोटाले के सिलसिले में उन्हें सोमवार को तलब किया था। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में पीएचईडी मंत्री रहे जोशी ने कहा कि उन्होंने ईडी द्वारा मांगे गए सभी दस्तावेजों के साथ, जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित होने के लिए 15 दिन का समय मांगा है।

कांग्रेस नेता को शनिवार को नोटिस दिया गया था जिसमें उन्हें सोमवार को सुबह 10.30 बजे ईडी कार्यालय में पेश होने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, जोशी नहीं गए। उन्होंने अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, ईडी ने मुझे कुछ दस्तावेजों के साथ पेश होने के लिए कहा था। मेरे लिए इतने कम समय में सभी दस्तावेज एकत्र करना संभव नहीं था, इसलिए मैंने 15 दिन का समय मांगा है। उनके समय में जल जीवन मिशन के तहत टेंडर प्रक्रिया में कोई अनियमितता नहीं हुई और उन पर लगे आरोप निराधार हैं। जोशी ने कहा, एजेंसियों को बिना किसी दबाव के काम करना चाहिए। राजस्थान में भाजपा सरकार बने तीन माह हो गए, अगर कोई अनियमितता हुई होती तो अब तक कार्रवाई हो चुकी होती।

जाट समाज लोकसभा चुनावों में करेंगे भाजपा के खिलाफ प्रचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। भरतपुर में जाट समाज ने लोकसभा चुनावों को लेकर बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार के घर जाट समाज की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें तय किया गया कि, बीजेपी सरकार ने उन्हें आरक्षण न देकर उनके साथ विश्वासघात किया है। इसलिए वह जिलेभर के गांव-गांव जाकर बीजेपी के खिलाफ प्रचार करेंगे।

इसके लिए जाट समाज ने बीजेपी के खिलाफ पोस्टर भी छपवाएं हैं। जिसका आज विमोचन किया गया।आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार ने कहा कि, भरतपुर धौलपुर के जाट समाज का जो केंद्र में आरक्षण का मुद्दा था।

उसके लिए जाट समाज ने जयचौली में महापड़ाव किया। जिसमें सीएम ने उन्हें आश्वस्त किया था। जिसमें जाट समाज ने कसम खाई थी कि, अगर आचार संहिता से पहले जाट समाज को आरक्षण नहीं मिला तो, जाट समाज लोकसभा चुनावों में अपने मत का प्रयोग किस तरह करेगा। उसके लिए आज बैठक की है।

बैठक में संघर्ष समिति के सभी सदस्य आये हैं। बुधवार को 11 बजे आरक्षण संघर्ष समिति रणनीति बनाएगी। जिसमें हर विधानसभा से 11-11 सदस्य मौजूद रहेंगे। जिसमें फैसला लिया जाएगा कि, जाट समाज के अपमान का बदला समाज किस तरह से लेगा।

पत्नी को स्कूटर पर बैठाकर तंग गलियों से मंदिर पहुंचे शेखावत, फाग मंडली के साथ बजाए मंजीरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। लोकसभा चुनावों के नजदीक जाते-जाते मैदान में उतरे प्रत्याशियों ने अपने-अपने तरीके से प्रचार का मोर्चा खोल दिया है। जोधपुर संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार देर रात धर्मपत्नी नोनद कंवर के साथ स्कूटर पर जोधपुर की तंग गलियों से गुजरकर शहर के भीतरी क्षेत्र में श्री गंगश्याम जी मंदिर और कुंजबिहारी मंदिर पहुंचे।

मंदिर पहुंचकर उन्होंने यहां आयोजित फाग उत्सव में जमकर उपस्थिति दर्ज कराई। फाग मंडलियों के बीच पहुंचे शेखावत खुद को होली गीतों से दूर नहीं रख पाए। यहां उन्होंने बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। शहर की तंग गलियों के बारे में शेखावत ने कहा कि मुझे लंबे अरसे बाद पत्नी को दुपहिया वाहन पर घुमाने का मौका मिला। इस दौरान शहर में अनेक स्थानों पर गणमान्य लोगों से भी मिलना हुआ।

सम्मेलन

जयपुर में सोमवार को लघु उद्योग भारती के जयपुर अंचल द्वारा आयोजित 'उद्यमी सम्मेलन' में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी शामिल होकर उद्यमियों का उत्साहवर्धन किया।

प्रदेश में कमल का फूल खिलाना है : जोशी

जयपुर। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी की अध्यक्षता में भाजपा ऑफिस में पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता, पैनेलिस्ट, कलस्टर प्रभारी, संभाग मीडिया संयोजक और प्रदेश मीडिया कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक हुई। बैठक में जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन कल्याणकारी नीतियों को अधिक से अधिक प्रचारित करने में मीडिया की अहम भूमिका है। लोकसभा चुनावों की आचार संहिता लगने के साथ ही प्रदेश में अधिकांश सीटों पर लोकसभा कार्यालय एंव मीडिया सेंटर शुरू हो चुके हैं।

ऐसे में अब मीडिया सेंटर से मोदी द्वारा युवा, गरीब, किसान और महिला उत्थान के लिए किए गए कार्यों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करना है। प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल का फूल खिलाना है और फिर एक बार मोदी सरकार लानी है। प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि मोदी की रीति और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। प्रवक्ताओं और पैनेलिस्टों को विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के साथ ही अपने अनुभवों को एक दूसरे के साथ शेयर करना होगा। बैठक में प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने मीडिया सदस्यों के दायित्व पर चर्चा की।

सी-विजिल एप से आमजन कर सकेंगे आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हनुमानगढ़। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आमजन की सुविधा के लिये सी-विजिल एप संचालित किया है। एप के माध्यम से आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत कर सकते हैं। एप पर की गई शिकायत पर 100 मिनट में कार्यवाही होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार अगर आमजन को चुनाव में कहीं शराब, धन बांटने की जानकारी मिलती है या मतदाताओं को ले जाने के लिए वाहन लगे हों या कोई फेक, पेड़ न्यूज दिखाई दे तो सी-विजिल एप पर शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। शिकायतों पर महज 100 मिनट में कार्यवाही होगी। आमजन को सिर्फ एक फोटो या वीडियो बना कर चुनाव आयोग के सी-विजिल एप पर अपलोड करना है। निर्वाचन विभाग तुरंत हरकत में आएगा और कार्यवाही शुरू हो जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने आमजन से अपील की है कि आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में सी-विजिल एप के माध्यम से शिकायत करें। इस पर तुरंत कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि सी-विजिल एप पर आम नागरिक हथियारों का प्रदर्शन, मतदाताओं को प्रलोभन के लिए निःशुल्क उपहारों का वितरण, मतदाताओं को परिवहन साधनों से वोट डालने ले जाना, फेक न्यूज, डराना-धमकाना, सार्वजनिक प्रोपर्टी पर विज्ञापन, धन वितरण, हेट स्पीच, सांप्रदायिक भाषण एवं शराब व नशीले पदार्थ का वितरण सम्बन्धित शिकायत कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता के चाहने पर उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। एप पर फोटो या वीडियो अपलोड करना होगा। शिकायतकर्ता को यह भी लिखने की जरूरत नहीं होगी कि वह कहां है। यानी इस ऐप के जरिए मतदाता भी चुनाव में निगरानी रख सकते हैं। ऐप के माध्यम से मतदाता फोटो और वीडियो के साथ जहां गड़बड़ी हो रही हो, उस स्थान की लोकेशन स्वतः अटेच रहेगी और विवरण लिखकर पूरी जानकारी उपलब्ध करवा सकते हैं। जागरूक नागरिकों के लिए सिटीजन विजिल एप है। यह एप एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। एंड्रॉयड यूजर इसे गूगल प्ले स्टोर से और एपल यूजर एप स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इंस्टॉल करने पर कैमरा, लोकेशन, ऑडियो और फाइल्स एक्सेस करने की अनुमति मांगी जाती है। इसके बाद भाषा चुनने का विकल्प मिलता है। इस एप में झूठी शिकायत रोकने के लिए लाईव फोटो, वीडियो एवं ऑडियो भेजने की सुविधा दी गई है। निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव के लिए यह एप प्रभावी भूमिका निभाएगा।

चातुर्मास व शिवबाड़ी जिनालय में अंजनशलाका प्रतिष्ठा का मंगलाचरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ के आचार्य जिन पीयूष सागर म.सा. के चातुर्मास व उनके सान्निध्य में 30 जून को शिवबाड़ी के जीर्णोद्धार के बाद नव निर्मित गंगेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय में अंजनशलाका प्रतिष्ठा के कार्यक्रमों का मंगलाचरण रविवार को देव व गुरु के स्मरण वंदन से जाजम में हुआ। जाजम में जैन समाज के गणमान्य श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साह से हिस्सा लिया तथा आचार्य के चातुर्मास के कार्यक्रमों में तन, मन व धन से सहयोग का संकल्प दोहरया। जिनेश्वर युवक परिषद के मंत्री मनीष नाहटा ने बताया कि सुगनजी महाराज के उपासरे में जाजम श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ श्रीसंघ, श्री पार्श्वनाथ जिन मंदिर जीर्णोद्धार ट्रस्ट, शिवबाड़ी, श्री गंगेश्वर पार्श्वनाथ प्रतिष्ठा समिति, श्री जिनेश्वर युवक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। जाजम का प्रेरणामय मार्गदर्शन सिरोही के शासन रत्न से सम्मानित मनोज कुमार बाबूमल हरण, सूरत के बीकानेर प्रवासी पवन पारख, सुगनजी महाराज उपासरा ट्रस्ट के मंत्री रतन लाल नाहटा, भीखम चंद बरड़िया, आदि ने हिस्सा लिया। नाहटा ने बताया कि जाजम में आदिनाथ भगवान व महावीर स्वामी की 27 इंच प्रतिमा परिकर सहित, मूलनायक का संयुक्त परिकर, अंजन के लिए नौ इंची भगवान पार्श्वनाथ भगवान, गणधर गौतम स्वामी की 21 इंच प्रतिमा परिकर युक्त 11 गणधर सहित, मणिधारी दादा गुरुदेव की प्रतिमा चारों दादा गुरुदेव युक्त परिकर सहित,नाकोड़ा भैरवदेव परिकर सहित, पद्मावती माता की प्रतिमा परिकर सहित, पार्श्वनाथ भगवान की पंच धातु प्रतिमा, शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रतिमा, नाकोड़ा पार्श्वनाथ प्रतिमा परिकर सहित (सभी 11 इंची), पांच मंगल मूर्तियों के साथ नित्य आंगी, रोशनी, बहुमान, नगरी उद्घाटन, अंजन शलाका के समस्त पात्र, भगवान के मुनिमजी के विभिन्न पट्ट, गुरु प्रवेश सामैया, गांव सांझी, मेहंदी वितरण, अन्य अंजन प्रतिष्ठा संधी चढ़ावें की भागीदारी तय की गई।

आचार संहिता लागू होने के बाद रिकॉर्ड 17 करोड़ से अधिक मूल्य की अवैध सामग्री जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। लोकसभा आम चुनाव - 2024 के मद्देनजर निर्वाचन विभाग के निर्देश पर प्रदेश में विभिन्न एनफोर्समेंट एजेंसियों ने आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद रिकॉर्ड 17 करोड़ रुपए से ज्यादा का ड्रग्स, शराब, कीमती धातुएं, फ्रीबीज व नगदी पकड़ा है। इसी तरह 1 मार्च से अब तक एजेंसियों ने 115 करोड़ रु. कीमत से ज्यादा के ड्रग्स, शराब, सोना, फ्रीबीज व नगदी पकड़ा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में अलग-अलग एजेंसियों की ओर से जारी रिपोर्ट में ये जानकारी दी गयी है। 1 मार्च 2024 से अब तक 2 करोड़ 41 लाख रु कैश, ड्रग्स लगभग 51.56 करोड़ रुपए, शराब 6 करोड़ 71 लाख रुपए और सोना- चांदी जैसी कीमती धातुओं की 8 करोड़ 56 लाख रुपए की जब्ती की गयी है, 46 करोड़ रुपए की अन्य सामग्री जबकि फ्रीबीज 22 लाख की जब्ती की गयी है। 18 करोड़ 70 लाख रुपए के साथ जोधपुर जिले में सबसे ज्यादा सीजर हुआ है। दूसरे स्थान पर 11 करोड़ 5 लाख के साथ जयपुर, तीसर स्थान पर गंगानगर ने 9 करोड़ 95 लाख, चौथे स्थान पर भीलवाड़ा 8 करोड़ 35 लाख और पांचवे स्थान पर टोंक ने 5 करोड़ 93 लाख रुपए की जब्ती की है।

भाजपा में शामिल हुईं बसपा सांसद संगीता आजाद

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के लालगंज से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सांसद संगीता आजाद ने लोकसभा चुनाव से पहले सोमवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामन लिया। उन्होंने यहां भाजपा मुख्यालय में पार्टी महासचिव विनोद तावड़े और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की मौजूदगी में केंद्र और राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आजाद के साथ ही उनके पति अरिमर्दन आजाद और प्रसिद्ध अधिवक्ता व निर्भया कांड में पीड़ित पक्ष के लिए अदालती लड़ाई लड़ने वाली सीमा कुशवाहा ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कुशवाहा साल 2020 में बसपा में शामिल हुई थीं, जबकि अरिमर्दन लालगंज से विधायक रह चुके हैं।

संगीता ने साल 2019 में लालगंज से भाजपा की तत्कालीन सांसद नीलम सोनकर को 1.61 लाख से अधिक मतों से पराजित किया था। संगीता के परिवार का उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल की राजनीति में खासा प्रभाव है। संगीता के ससुर गांधी आजाद क्षेत्र का जान-माना चेहरा रहे हैं और बसपा के संस्थापक सदस्यों में थे। संगीता आजाद ने पिछले कुछ समय से बसपा से दूरी बना ली थी और वह पार्टी के आयोजनों में भी नहीं जाती थीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। तभी से उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें थीं।

आगरा के होटल में छात्रा से रेप, दो गिरफ्तार, एक फरार

आगरा (उप्र)/भाषा। आगरा में यमुना पार क्षेत्र के एक होटल में एक नाबालिग छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार को लेकर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि तीसरा आरोपी फरार है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने पीड़िता के परिजनों की तहरीर के आधार पर बताया कि छात्रा अपनी सहेलियों के साथ इस होटल के रेस्तरां में फास्ट फूड खाने गई थी जहां उसकी मुलाकात रसोइये टिंकू गुप्ता से हुई और दोनों में दोस्ती हो गई। पुलिस के अनुसार 15 मार्च को परीक्षा खत्म होने के बाद छात्रा उस होटल में गई, जहा टिंकू गुप्ता ने एक कमरे में ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस के मुताबिक 16 मार्च को टिंकू ने अपने दोस्तों-- प्रमोद और लक्की को बुला लिया तथा उन दोनों ने भी छात्रा के साथ बलात्कार किया। छात्रा होटल से किसी तरह घर पहुंची और परिवारवालों को सारी बात बतायी। 'ट्रांसयमुना' के थाना प्रभारी सुमनेश कुमार ने बताया कि उक्त मामले में तहरीर के आधार पर तीन आरोपी सामने आये हैं जिनमें से टिंकू गुप्ता एवं प्रमोद को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि आरोपी लकी फरार है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है तथा फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

आईओए ने कुश्ती की तदर्थ समिति को भंग किया, डब्ल्यूएफआई ने जिम्मा संभाला

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निलंबन हटाने और उसे पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण मिलने के बाद कुश्ती की तदर्थ समिति को भंग कर दिया।

आईओए ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ के निलंबन रद्द होने के बाद खेल के संचालन के लिए तदर्थ समिति की 'कोई जरूरत नहीं' है। आईओए ने कहा कि तदर्थ समिति ने डब्ल्यूएफआई के सहयोग से अगले महीने के ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिए चयन ट्रायल का सफल आयोजन कर लिया है। खेल मंत्रालय ने दिसंबर में डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर तदर्थ समिति का गठन किया था। उनका यह दाव हालांकि उस समय उलटा पड़ गया जब इस खेल की वैश्विक संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू (यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग) ने फरवरी में डब्ल्यूएफआई से निलंबन हटा दिया। आईओए ने 10 मार्च को जारी आदेश में कहा, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर तदर्थ समिति को भंग करने का निर्णय डब्ल्यूडब्ल्यू द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगे प्रतिबंध को हटाने और आईओए द्वारा नियुक्त समिति द्वारा चयन ट्रायल के सफल समापन को देखते हुए लिया गया है। डब्ल्यूएफआई प्रमुख संजय सिंह ने चुनाव में जीत दर्ज करने वाली समिति को राष्ट्रीय महासंघ के संचालन का जिम्मा देने के लिए आईओए का शुक्रिया किया। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम डब्ल्यूएफआई का पूर्ण नियंत्रण देने के लिए आईओए को धन्यवाद देते हैं। हम पहलवानों को सारी सुविधाएं देंगे। हम जल्द ही राष्ट्रीय शिविर आयोजित करेंगे और अगर पहलवान विदेश में अभ्यास करना चाहते हैं तो हम यह सुविधा भी देंगे।

बरसाना के राधा रानी मंदिर में हादसा, 22 श्रद्धालु घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा जिले के बरसाना में राधा रानी मंदिर में लड्डू होली के आयोजन के दौरान भारी भीड़ के कारण रेलिंग टूटने से हुए हादसे में 22 श्रद्धालु घायल हो गए। गनीमत रही कि किसी को गम्भीर चोट नहीं आयी।

मंदिर के एक पुजारी ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि रविवार शाम को हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने से मंदिर की सीढ़ियों की रेलिंग उनका दबाव नहीं झेल सकी और वह टूट गई, फलस्वरूप कई श्रद्धालु नीचे गिर पड़े एवं भगदड़ मच गई। उनके अनुसार इस घटना में कम से कम 22 श्रद्धालु घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ये श्रद्धालु कई घंटों से मंदिर के पट खुलने का इंतजार कर रहे थे। भीड़ का दबाव बढ़ने का एक कारण यह भी था कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु लड्डू लूटने में लगे थे।

पुजारी ने बताया कि घायल श्रद्धालुओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। उनके मुताबिक उनमें से एक को केडी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल तथा चार को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना में एक महिला की मौत की भी खबर आई थी लेकिन जिला प्रशासन ने उसे गलत करार दिया है। उसका कहना है कि महिला की मौत का इस घटना से कोई संबंध नहीं है। बरसाना के राधा रानी मंदिर में 2012 और 2023 में भी ऐसी ही घटनाएं हो चुकी हैं। सितंबर 2012 में राधा अष्टमी के अवसर पर मची भगदड़ में कम से कम दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। बरसाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर मनोज वशिष्ठ ने बताया कि घटना के बाद 22 लोगों को केंद्र में लाया गया था। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायलों को जिला अस्पताल और एक निजी मेडिकल कॉलेज भेजा गया और बाकी को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर अजय कुमार वर्मा ने बताया कि रविवार को जितने भी श्रद्धालु जिला अस्पताल अथवा निजी मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए रेफर किए गए थे, उन सभी को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा के लिए सतत प्रयास जरूरी : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोमवार को चुनावी बॉण्ड के सिलसिले में उच्चतम न्यायालय के फैसले को महत्वपूर्ण करार देते हुए संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा के लिए सतत प्रयास जरूरी बताया।

बसपा प्रमुख ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ''रक्षा सौदों आदि में भ्रष्टाचार के बाद चर्चित गुप्त चुनावी बॉण्ड से उत्पन्न धनबल द्वारा देश की राजनीति एवं चुनाव को भी जनहित एवं जनमत से दूर करने की प्रक्रिया के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय का ताजा फैसला महत्वपूर्ण है, किन्तु संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा के लिए सतत प्रयास जरूरी है। मायावती ने अपने सिलसिलेवार पोस्ट में कहा ''जहां सहारा, वहां इशारा, इससे बचने के लिए बसपा बड़े-बड़े पूंजीपतियों एवं धन्नासेठों के धनबल से दूर है।

इसी पोस्ट में उन्होंने स्पष्ट किया कि इसी कारण उत्तर प्रदेश में चार बार बनी सरकार में जनहित, जनकल्याण तथा गरीबी एवं पिछड़ेपन को दूर करने के लिए ऐतिहासिक पहल की गई जबकि दूसरी पार्टियां अधिकतर स्वार्थ में ही लगी हैं। बसपा प्रमुख ने कहा कि देश में अब लोकसभा के लिए हो रहे आम चुनाव में जन एवं देशहित के पक्ष में इन बातों का खास महत्व है तभी बहुजन हितैषी सरकार देश में बनेगी तथा लोगों को जानलेवा महंगाई, बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी एवं पिछड़ेपन के लाचार जीवन से मुक्ति मिल पाएगी, वरना गरीबों की गरीबी एवं अमीरों की अमीरी लगातार बढ़ती जाएगी।

प.बंगाल के डीजीपी को हटाने पर टीएमसी ने कहा, निर्वाचन आयोग पर भाजपा के नियंत्रण का उदाहरण

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार को हटाए जाने की आलोचना करते हुए, तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि यह निर्वाचन आयोग (ईसी) पर भाजपा के नियंत्रण का एक ज्वलंत उदाहरण है। टीएमसी महासचिव कुणाल घोष ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी को राज्य में लोकसभा सीट खोने का डर सता रहा है। लोकसभा चुनाव में समान अवसर सुनिश्चित करने के प्रयास के तहत निर्वाचन आयोग ने छह राज्यों के गृह सचिव और पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के अलावा मिजोरम और हिमाचल प्रदेश के सामान्य प्रशासनिक विभागों के सचिव को भी हटाने का आदेश दिया।

घोष ने कहा, भारतीय जनता पार्टी निर्वाचन आयोग सहित सभी संस्थानों का दुरुपयोग करने की कोशिश कर रही है। वे नियुक्ति समिति को बदलकर निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति में भी हस्तक्षेप कर रहे हैं। आज उठाया गया कदम निर्वाचन आयोग पर भाजपा के नियंत्रण का एक ज्वलंत उदाहरण है। उन्होंने कहा, यदि भाजपा ऐसे 100 अधिकारियों को भी बदल दे तो कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि पश्चिम बंगाल की जनता ममता बनर्जी के साथ है।

बिहार में भाजपा 17, जद(यू) 16 और लोजपा (रामविलास) पांच सीट पर लड़ेगी चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार की 17 सीट, जनता दल (यूनाइटेड) 16 सीट और चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) पांच सीट पर चुनाव लड़ेगी। यहां भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा महासचिव व बिहार मामलों के प्रभारी विनोद तावड़े ने यह घोषणा की।

संवाददाता सम्मेलन में जद (यू) के महासचिव व राज्यसभा सदस्य संजय झा, लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी और बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित गठबंधन के अन्य घटक दलों के नेता भी मौजूद थे। बिहार में राजग के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर हुए समझौते के तहत, पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाले हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोक मोर्चा को एक-एक सीट दी गई है।

तावड़े के मुताबिक, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, औरंगाबाद, मधुबनी, अररिया, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, महाराजगंज, सारण, अजियारपुर, बेगूसराय, नवादा, पटनासाहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर और सासाराम से भाजपा के उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वाल्मीकिनगर, सीतामढ़ी, झंझारपुर, सुपौल, किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, मधेपुरा, गोपालगंज, सीवान, भागलपुर, बांका, मुंगेर, नालंदा, जहानाबाद और शिवहर से जद(यू) के उम्मीदवार मैदान में होंगे।

तावड़े ने कहा कि लोजपा (रामविलास) के हिस्से वैशाली, हाजीपुर, समस्तीपुर, खगड़िया और जमुई की सीट गई है, जबकि गया से 'हम' और काराकाट से राष्ट्रीय लोक मोर्चा का प्रत्याशी चुनाव लड़ेगा।

बिहार की 40 लोकसभा सीट पर कुल सात चरणों में मतदान होगा। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक, लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से एक जून के बीच सात चरणों में होंगे। मतगणना चार जून को होगी।

लोकसभा चुनाव 2019 में 'मोदी की सुनामी' में भारतीय जनता पार्टी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जद(यू) और दिवंगत राम विलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) को संयुक्त रूप से 39 सीट पर जीत मिली थी। राज्य में राजग का मत प्रतिशत 53 से अधिक था, जो विपक्षी 'महागठबंधन' को मिले मतों से लगभग 20 प्रतिशत ज्यादा था।

मैं सोनिया गांधी से नहीं मिला, राहुल गांधी का दावा 'बेबुनियाद': अशोक चव्हाण

छत्रपति संभाजी नगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य अशोक चव्हाण ने सोमवार को कहा कि वह कांग्रेस छोड़ने से पहले पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से नहीं मिले थे और इस बाबत राहुल गांधी की टिप्पणी को उन्होंने 'बेबुनियाद' बताकर खारिज कर दिया। लोकसभा चुनाव से पहले रविवार को मुंबई में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दावा किया था कि महाराष्ट्र के एक नेता ने उनकी मां सोनिया गांधी के सामने रोते हुए कहा था कि उन्हें शर्म आती है कि वह इस ताकत से और नहीं लड़ सकते और वह जेल नहीं जाना चाहते।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए चव्हाण ने सोमवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि राहुल गांधी ने रविवार को एक रैली में बयान दिया और किसी का नाम नहीं लिया है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अगर वह मेरे बारे में ऐसा कह रहे हैं तो यह अतार्किक और बेबुनियाद है। सच तो यह है कि कांग्रेस से इस्तीफा देने तक मैं पार्टी मुख्यालय में काम कर रहा था। उन्होंने कहा, मैंने विधायक पद से इस्तीफा दिया और कुछ देर बाद पार्टी से भी इस्तीफा दे दिया। तब तक किसी को नहीं पता था कि मैंने इस्तीफा दे दिया है।

भाजपा उम्मीदवारों ने गिनाईं अपनी 100 दिनों की प्राथमिकताएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों ने सोमवार को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से सांसद चुने जाने के बाद स्वास्थ्य और शैक्षणिक सुविधाओं में सुधार सहित अपनी 100 दिनों की प्राथमिकताओं का खाका पेश किया।

एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दिल्ली की भाजपा इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने दावा किया कि भाजपा के सभी सात उम्मीदवार इस बार बड़े अंतर से जीतेंगे। नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रही बांसुरी स्वराज ने अपनी प्राथमिकताएं गिनाईं, जिनमें एक 'स्टार्ट अप हब' का निर्माण और महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करना शामिल है। स्वराज ने कहा कि महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना और पुलिस द्वारा निगरानी के लिए 'ड्रोन' का उपयोग करना उनकी अन्य प्राथमिकताओं में शामिल होगा। उत्तर पूर्वी दिल्ली के उम्मीदवार मनोज तिवारी ने कहा कि सिग्नेचर ब्रिज, सांसद के रूप में उनके पिछले कार्यकाल में पूरा हुआ था और वह क्षेत्र में मेट्रो ट्रेन भी लाए थे। तिवारी ने कहा कि एक खूबसूरत 'रिवरफ्रंट 100 दिनों में पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में भीड़भाड़ को दूर करने के लिए भी काम किया जा रहा है। तिवारी ने कहा कि मेट्रो के चौथे चरण का काम अगले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगा और उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्होंने एक केंद्रीय विद्यालय का उद्घाटन किया है और दो और केंद्रीय विद्यालय बनाए जा रहे हैं।

मैंने जिस शक्ति का उल्लेख किया, उसके ''मुखौटा'' प्रधानमंत्री हैं: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'शक्ति' वाले अपने बयान पर खड़े हुए राजनीतिक विवाद की पृष्ठभूमि में सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी बातों का अर्थ बदलने की कोशिश की है, जबकि उन्होंने जिस शक्ति का उल्लेख किया था उसका 'मुखौटा' प्रधानमंत्री खुद हैं। उन्होने यह दावा भी किया कि जिस शक्ति के खिलाफ वह लड़ने की बात कर रहे हैं उसने सभी संस्थाओं और संवैधानिक ढांचे को अपने चंगुल में दबोच लिया है।

राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के समापन पर मुंबई में आयोजित रैली में कहा था, हिन्दू धर्म में शक्ति शब्द होता है। हम शक्ति से लड़ रहे हैं...एक शक्ति से लड़ रहे हैं। अब सवाल उठता है कि वह शक्ति क्या है? जैसे किसी ने यहां कहा कि राजा की आत्मा ईवीएम में है। सही है...सही है कि राजा की आत्मा ईवीएम में है... हिंदुस्तान की हर संस्था में है। ईडी में है, सीबीआई में है, आयकर विभाग में है। इसको लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर मुंबई की रैली में 'शक्ति' के विनाश का बिगुल फूंकने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके लिए हर मां-बेटी 'शक्ति' का स्वरूप है और वह उनके लिए अपनी जान की बाजी लगा देंगे। तेलंगाना के जगतियाल में उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में लड़ाई 'शक्ति के विनाशकों' और 'शक्ति के उपासकों' के बीच है तथा चार जून को स्पष्ट हो जाएगा कि कौन 'शक्ति' का विनाश करने वाले हैं और किसे 'शक्ति' का आशीर्वाद प्राप्त है। राहुल गांधी ने सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी जी को मेरी बातें अच्छी नहीं लगतीं, किसी न किसी तरह उन्हें घुमाकर वह उनका अर्थ हमेशा बदलने की कोशिश करते हैं क्योंकि वह जानते हैं कि मैंने एक गहरी सच्चाई बोली है।

बिहार में सीट बंटवारे को दो-तीन दिन में अंतिम रूप दे दिया जाएगा: तेजस्वी यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सहयोगियों के बीच बिहार के लिए सीटों का बंटवारा अंतिम चरण में है और अगले कुछ दिनों में इस पर मुहर लग जाएगी।

रविवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस' (इंडिया) द्वारा आयोजित एक रैली में भाग लेने के बाद यहां आए राजद नेता ने कहा कि ज्यादातर मुद्दों को सुलझा लिया गया है और केवल एक या दो सीटों पर मुद्दे बचे हैं। यादव ने यहां संवाददाताओं को बताया, दो-तीन दिन में सब कुछ तय हो जाएगा। यह अंतिम चरण में है। एक-दो सीटों को लेकर कुछ मुद्दे हैं, लेकिन सब कुछ सुलझा लिया जाएगा।

राजद, कांग्रेस, वामपंथी दल और कुछ अन्य छोटे दल लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से मुकाबला करने के लिए सीटों के बंटवारे पर बातचीत कर रहे हैं।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने पर्चा लीक मामले को लेकर राज्य की भाजपा-जद(यू) सरकार पर भी निशाना साधा।

रोहित मेरा मार्गदर्शन करना जारी रखेंगे : पंड्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने सोमवार को कहा कि उनके पूर्ववर्ती रोहित शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में उनके मार्गदर्शक बने रहेंगे। पिछले दो सत्र में गुजरात टाइटन्स का नेतृत्व करने वाले पंड्या 2024 सत्र में मुंबई इंडियंस की अगुवाई करेंगे। मुंबई इंडियंस ने पांच खिताब दिलाने रोहित को आश्चर्यजनक रूप से कप्तान पद से हटा कर पंड्या को यह जिम्मेदारी सौंपी है।

पंड्या ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, इसमें पहले के मुकाबले कुछ अलग नहीं होगा। वह मेरी मदद के लिए हमेशा मौजूद रहेंगे। आपने बताया कि वह भारतीय टीम के कप्तान है, यह मेरे लिए मददगार होगा क्योंकि इस टीम ने अब तक जो भी हासिल किया है वह उनकी कप्तानी में ही मिला है और मुझे बस इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह मेरे लिए अलग तरह की स्थिति होगी। यह अच्छा अहसास होगा क्योंकि हम 10 साल से एक साथ खेल रहे हैं। मैंने अपना पूरा करियर उनके नेतृत्व में खेला है। मुझे उम्मीद है कि वह मेरा समर्थन और मार्गदर्शन करना जारी रखेंगे।

पंड्या ने इस बात को स्वीकार किया कि गुजरात टाइटन्स का साथ छोड़ने और मुंबई इंडियंस में रोहित की जगह कप्तान बनने पर प्रशंसकों के एक वर्ग ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, प्रशंसकों का वह विद्रोह..... हम प्रशंसकों का सम्मान करते हैं। इसके साथ ही हम खेल पर ध्यान केंद्रित करते हैं और जो आवश्यक है उस पर ध्यान देते हैं। मैं उन चीजों पर ध्यान देने की कोशिश करता हूं जो मेरे हाथ में है। प्रशंसकों के पास हर अधिकार है और मैं उनकी राय का सम्मान करता हूं।

पंड्या ने कहा कि टीम का कप्तान नियुक्त होने के बाद वह रोहित से पिछले दो महीने से नहीं मिले है। वह सोमवार से शुरू होने वाले टीम के अभ्यास सत्र में पहली बार रोहित से मिलेंगे। उन्होंने रोहित से मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर कहा, हां और ना। वह यात्रा कर रहे हैं और राष्ट्रीय टीम के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, हम पेशेवर हैं। अभी दो महीने ही हुए हैं। आज हम अभ्यास मैच खेलेंगे, जब वह यहां आयेंगे तो निश्चित तौर पर उनसे बातचीत होगी।

आरसीबी के अभ्यास शिविर से जुड़े विराट कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 22 मार्च से शुरू होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले सोमवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। कोहली अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण देश से बाहर थे। वह रविवार को ही भारत पहुंचे थे। भारत और आरसीबी के पूर्व कप्तान को चिन्नास्वामी स्टेडियम का चक्कर लगाते हुए देखा गया। टीम के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने भी अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया।

आरसीबी ने अभी तक आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। उसका पहला मैच शुक्रवार को चेन्नई में मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ होगा। इस टूर्नामेंट में कोहली के प्रदर्शन पर सभी की करीबी नजर रहेगी क्योंकि इसके तुरंत बाद अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप खेला जाना है। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने विश्व कप 2022 के बाद अपना पहला टी20 मैच इस साल के शुरू में अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। रोहित शर्मा ने भी इस शृंखला में वापसी की थी और संभावना है कि वह एक जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे।

कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की घरेलू शृंखला में भी नहीं खेल पाए थे।

इस दिग्गज बल्लेबाज ने पिछले साल आईपीएल में 639 रन बनाए थे जिसमें दो शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं।

सुविचार

अगर पैसे और संबंध दोनों में से एक को महत्व देना पड़े, तो जनाब संबंध बचाना, पैसे तो आते जाते रहेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फिर निशाने पर ईवीएम

अभी लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की सिर्फ घोषणा हुई है, लेकिन कुछ राजनीतिक दलों ने ईवीएम को निशाना बनाना शुरू कर दिया। उनका यह रुख हैरान करने वाला है। जब चुनाव आयोग पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि ईवीएम पूरी तरह से सुरक्षित है, इन दलों को बुलाकर इनकी आशंकाओं के निवारण की कोशिश कर चुका है, तो अब इस मुद्दे को क्यों उठाया जा रहा है? क्या इन राजनीतिक दलों को अब भी विश्वास नहीं है? कांग्रेस का यह बयान कि 'वह ईवीएम के नहीं, बल्कि उसमें हेरफेर के खिलाफ है', का मतलब वही निकलता है। पिछले एक दशक में विपक्षी दलों ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर कई बार सवाल उठाए हैं, लेकिन वे अपने संदेह के पक्ष में ठोस सबूत नहीं दे सके। अगर मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव हार जाएं तो ईवीएम में गड़बड़ है। अगर तेलंगाना में चुनाव जीत जाएं तो यह नेतृत्व का करिश्मा है। अगर गुजरात में चुनाव हार जाएं तो उसका ठीकरा ईवीएम के सिर, अगर हिमाचल प्रदेश में चुनाव जीत जाएं तो खुशी की लहर! ईवीएम के निर्माण से लेकर उन्हें मतदान स्थलों तक पहुंचाने और वहां से मतगणना केंद्रों तक लाने में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के कर्मचारी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन सबके बीच, जब मतदान के बाद ईवीएम जमा करा दी जाती हैं तो वहां सशस्त्र बलों का कड़ा पहरा होता है। उसके आस-पास भी किसी को जाने नहीं दिया जाता। अगर कोई व्यक्ति संदिग्ध हरकत करता पाया गया तो कठोर कार्रवाई हो सकती है। क्या इतने बड़े स्तर पर विशेषज्ञों और सरकारी मशीनरी को तैनात कर देने के बाद भी कोई व्यक्ति हजारों-लाखों ईवीएम के आंकड़े बदल सकता है?

साल 2022 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम के साथ कथित छेड़छाड़ की आशंकाओं के मद्देनजर समाजवादी पार्टी के एक उम्मीदवार वाहन में बैठकर स्ट्रांग रूम पर दूरबीन से कड़ी नजर रख रहे थे। उनके कार्यकर्ता भी इस काम में योगदान दे रहे थे। जब नतीजे आए तो वे सात हजार से ज्यादा मतों के अंतर से चुनाव हारे। ईवीएम पर सवाल उठाते हुए दो तर्क दिए जाते हैं- 1. सभी वीवीपैट (पर्चियों) की गिनती की जाए। 2. ईवीएम को हटाकर मतपत्र से मतदान कराया जाए। अगर 100 प्रतिशत वीवीपैट की गिनती की जाएगी तो ईवीएम लाने का औचित्य ही क्या रहेगा? यह तो पूर्णत: मतपत्रों की गणना जैसी प्रक्रिया हो गई! अगर ईवीएम को हटाकर मतपत्र से चुनाव कराया जाए तो याद रखें कि इससे विवाद कम नहीं होंगे, बल्कि खूब बढ़ेंगे। ज्यादा दूर न जाएं, अस्सी या नब्बे के दशक में होने वाले चुनावों से संबंधित किस्से ही पढ़ लें, जो इंटरनेट की सहायता से आसानी से मिल जाएंगे। मतपत्र पर ठप्पा इधर-उधर लग जाता तो वोट खारिज हो जाता था। इस बात को लेकर मतगणना केंद्रों पर भारी हंगामा होता था। एक पक्ष कहता कि यह वोट हमें मिला है, दूसरा पक्ष कहता कि हमें मिला है। उसके बाद जमकर झगड़े होते थे। हर चुनाव के बाद ऐसे मतपत्रों की अच्छी-खासी तादाद होती थी। कई इलाकों में बूथ कब्जा लिए जाते थे। बाहुबली किस्म के नेता अपने साथ लठैत लेकर आते, जो मतपत्रों पर ठप्पे लगाकर पेटी में डालते जाते थे। कई जगह मतपेटियां लूटने की कोशिशें की जातीं। ऐसी भी खबरें आतीं, जिनसे पता चलता था कि उपद्रवी तत्त्वों ने मतपेटी में पानी डाल दिया। मतपत्रों की गणना में भी बहुत समय लगता था। ईवीएम ने ये सभी समस्याएं दूर कर दीं। राजनीतिक दल चुनाव आयोग, चुनाव प्रक्रिया और जनता-जनार्दन पर विश्वास रखें। देश चुनाव सुधारों की लंबी यात्रा करते हुए यहां तक पहुंचा है। यह पीछे लौटने का समय नहीं है।

ट्वीटर टॉक

इंडी अलायंस ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है, जबकि मेरे लिए हर मां-हर बेटी शक्ति का रूप है। मैं भारत मां का पुजारी हूं, इसलिए अपनी शक्ति-स्वरूपा मां, बहन और बेटियों की रक्षा के लिए जान की बाजी लगा दूंगा।

-नरेन्द्र मोदी

लघु उद्योग भारती, जयपुर अंचल द्वारा आयोजित उद्यमी सम्मेलन में सहभाग किया। देश के लघु उद्योगों को समर्पित इस आयोजन हेतु सभी उद्यमी साथियों का हार्दिक आभार, अभिनंदन। लघु उद्योग देश की अर्थव्यवस्था एवं प्रगति का प्रमुख आधार स्तंभ हैं।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

मोदी जी को मेरी बातें अच्छी नहीं लगतीं, किसी न किसी तरह उन्हें घुमाकर वह उनका अर्थ हमेशा बदलने की कोशिश करते हैं क्योंकि वह जानते हैं कि मैंने एक गहरी सच्चाई बोली है। जिस शक्ति का मैंने उल्लेख किया, जिस शक्ति से हम लड़ रहे हैं, उस शक्ति का मुखौटा मोदी हैं।

-राहुल गांधी

प्रेरक प्रसंग

सत्य-असत्य के रहस्य

एक दिन 'सत्यतपा ऋषि' वन में बैठे थे। अचानक एक वराह सामने से गुजरा और ओझल हो गया। पीछे-पीछे शिकारी पहुंच गया। उसने मुनि से पूछा, 'मुनिवर! क्या आपने वराह को जाते देखा है?' मुनि ने सोचा कि यदि वह सच बताता है तो शिकारी वराह को मार देगा। यदि नहीं बताता तो शिकारी का परिवार भूखा रह जाएगा। मुनि ने कहा, 'वराह को आंखों ने देखा है, पर वे बोल नहीं सकतीं। जिह्वा बोल सकती है, किंतु उसने वराह को देखा नहीं।' तभी मुनि ने देखा कि सामने शिकारी की जगह विष्णु और इंद्र खड़े हैं। उन्होंने कहा, मुनिवर, वास्तव में तुम सत्य-असत्य के रहस्य व उसके परिणाम को समझते हो। सत्य बोलते समय उसका परिणाम क्या होगा, यह विवेक ही उचित निर्णय ले सकता है।' सत्यतपा ऋषि को वर देकर दोनों लौट गए।

सामयिक

सीएए का विरोध औचित्यहीन

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा सीएए या नागरिकता संशोधन कानून को अमल में लाने को लेकर किसी को संदेश था तैयार गलती उसकी थी। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा चुनाव के पूर्व इसे लागू करने के बयान के बाद तो केवल तिथि की प्रतीक्षा थी। विरोधियों की प्रतिक्रियाएं वही हैं जैसी संसद में पारित होने के पूर्व से लेकर लंबे समय बाद तक रही है। यह प्रश्न उठाया जा रहा है कि आखिर ऐन चुनाव के पूर्व ही इसे लागू करने की क्या आवश्यकता थी? अगर लागू नहीं किया जाता तो चुनाव में विरोधी यही प्रश्न उठाते कि इसे लागू क्यों नहीं कर रहे? हालांकि आम लोगों के मन में यह प्रश्न उठेगा कि इतना समय क्यों लगा? कानून पारित होने के बाद नियम तैयार करने के लिए गृह मंत्रालय को सात बार विस्तार प्रदान किया गया था। नियम बनाने में देरी के कई कारण रहे। कानून पारित होने के बाद से ही देश कोरोना संकट में फंस गया और प्राथमिकतायें दूसरी हो गई। दूसरे, इसके विरुद्ध हुए प्रदर्शनों ने भी समस्याएं पैदा की। अनेक जगह प्रदर्शन हिंसक हुए, लोगों की मौत हुई और दिल्ली में सांप्रदायिक दंगे तक हुए। तीसरे,विदेशी एजेंसियों और संस्थाओं की भी इसमें भूमिका हो गई। चौथे, उच्चतम न्यायालय में इसके विरुद्ध याचिकाएं दायर हुई। इन सबसे निपटने तथा भविष्य में लागू करने पर उनकी पूनरावृत्ति नहीं हो इसकी व्यवस्था करने में समय लगना ही था। मूल बात यह नहीं है कि इसे अब क्यों लागू किया गया। मूल यह है कि इसका क्रियान्वयन आवश्यक है या नहीं और जिन आधारों पर विरोध किया जा रहा है क्या वे सही है?

यह बताने की आवश्यकता नहीं कि कानून उन हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनों, पारसियों और ईसाइयों के लिए है, जो 31 दिसंबर , 2014 को या उससे पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से धार्मिक उत्पीड़न के कारण पलायन कर भारत आने को विवश हुए थे। यानी यह कानून इनके अलावा किसी पर लागू होता ही नहीं। भारत में नियमों के तहत आवेदन कर कोई भी नागरिकता प्राप्त कर सकता है। केवल इस कानून के तहत इन समुदाय के लोगों के लिए नागरिकता प्राप्त करना आसान बनाया गया है। उदाहरण के लिए नागरिक कानून, 1955 में आम विदेशी के लिए भारत में रहने की अवधि 11 वर्ष है जबकि उनके लिए 5 वर्ष किया गया है। यह आशंका ही निराधार है कि इससे किसी को बाहर निकाला जाएगा। सीएए गैर कानूनी रूप से रह रहे विदेशियों या किसी को निकालने के लिए नहीं लाया गया है। इसके लिए विदेशी अधिनियम, 1946 और पासपोर्ट अधिनियम, 1920 पहले से हैं। नागरिकता कानून, 1955 के अनुसार अवैध प्रवासियों को या तो जेल में रखा जा सकता है या वापस उनके देश भेजा जा सकता है। नरेन्द्र मोदी सरकार ने इनमें संशोधन करके अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई को वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी भारत में रुकने तथा कहीं भी आने-जाने की छूट दे दी थी तो विशेष प्रावधान के द्वारा आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक में खाता खुलवाने, अपना व्यवसाय करने या जमीन तक खरीदने की अनुमति दी गई। इस तरह उन्हें भारत द्वारा अपने की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी थी। निस्संदेह, इस कानून के बाद उत्पीड़ित वर्ग भारत आना चाहेंगे। पर इस समय जनवरी 2019 की संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट के अनुसार इनकी कुल संख्या 31, 313 है। ये सब भारत में वर्षों से रह रहे हैं।

आज विरोध करने वाले विपक्षी दलों के दोहरे आचरण के कुछ उदाहरण देखिए। एक, राज्यसभा में 18 दिसंबर, 2003 को मनमोहन सिंह ने कहा था, विभाजन के बाद बांग्लादेश जैसे देशों से बहुत सारे लोग भारत आए थे। यह हमारा नैतिक दायित्व है कि अगर परिस्थितियां इन दुर्भाग्यशाली लोगों को भारत में शरण लेने के लिए बाध्य करें तो हमारा रवैया इनके प्रति और अधिक उदार होना चाहिए।' दो, 4 फरवरी, 2012 को माकपा के महाधिवेशन ने बाजाब्ता पूर्वी पाकिस्तान या बांग्लादेश से आए हिन्दू-सिख-बौद्धों को नागरिकता दिए जाने का प्रस्ताव पारित किया था। तीन, 3 जून, 2012 को माकपा नेता प्रकाश करात ने यूपीए सरकार के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पत्र लिखकर बांग्लादेश से आए लोगों को मानवाधिकार के चलते नागरिकता देने की मांग की थी। चार,पश्चिम बंगाल में इस कानून को लागू न करने का विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने वाली ममता बनर्जी ने 4 अगस्त, 2005 को लोकसभा में यह मामला उठाते हुए हिन्दुओं को नागरिकता देने की मांग की थी।

यह विषय आजादी के समय से ही चला रहा है। महात्मा गांधी ने 26 सितंबर ,1947 को प्रार्थना सभा में कहा था कि हिन्दू और सिख वहां नहीं रहना चाहते तो वे भारत आएं। भारत का दायित्व है कि उन्हें यहां केवल रहने ही नहीं दे, उनके लिए रोजगार सहित अन्य व्यवस्थाएं करें। डॉ. बाबा साहब अंबेदकर राईटिंग्स एंड स्पीचेज के 17 वें वॉल्यूम के पृष्ठ संख्या 366 से 369 तक उनके विचार लिखे हैं। एक उदाहरण - भारत में अनुसूचित जातियों के लिए निराशाजनक संभावनाओं के बावजूद मैं पाकिस्तान में फंसे सभी से कहना चाहूंगा कि आप भारत आइए। .. जिन्हें हिंसा के द्वारा इस्लाम धर्म में परिवर्तित कर दिया गया मैं उनको कहता हूं कि आप अपने बारे में यह मत सोचिए कि आप हमारे समुदाय से बाहर हो गए हैं। मैं वायदा करता हूं कि यदि वे वापस आते हैं तो उनको अपने समुदाय में शामिल करेंगे और वे उसी तरह हमारे भाई माने जाएंगे जैसे धर्म परिवर्तन के पहले माने जाते थे।' बाबा साहब ने 18 दिसंबर, 1947 को प्रधानमंत्री पं. नेहरु पत्र लिखकरअनुरोध किया कि पाकिस्तान सरकार से कहें कि अनुसूचित जातियों के आने के रास्ते बाधा खड़ी न करे।

नेहरु जी ने 25 दिसंबर, 1947 जवाब में लिखा कि हम अपनी ओर से जितना हो सकता है पाकिस्तान से अनुसूचित जातियों को निकालने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। स्वयं को अंबेडकरवादी कहने वाले अगर इस कानून का अभी भी विरोध कर रहे हैं तो इससे अनैतिक आचरण कुछ नहीं हो सकता। नागरिकता संशोधन कानून बाबा साहब अंबेडकर के विचारों को साकार करने वाला है।

वास्तव में यह मानवता की रक्षा के लिए बना प्रगतिशील कानून है। धार्मिक अल्पसंख्यकों को उत्पीड़न से बचाने, उन्हें शरण देने, उनकी सहायता करने पर संपूर्ण विश्व में एकमत है तथा संयुक्त राष्ट्र इसकी चर्चा करता है। भारत विभाजन के बाद तीनों देशों से उम्मीद की गई थी कि वे अपने यहां अल्पसंख्यकों को पूरी सुरक्षा प्रदान करेंगे। विभाजन के समय अल्पसंख्यकों की संख्या पाकिस्तान में 22 प्रतिशत के आसपास थी जो आज दो प्रतिशत भी नहीं है। बांग्लादेश की 28 प्रतिशत हिन्दू आबादी 8 प्रतिशत के आसपास रह गई है। अफगानिस्तान में तो बताना ही मुश्किल है। वे या मुसलमान बना दिए गए, मार दिए गए या फिर भाग गए। भागने वाले तो कम ही थे क्योंकि उनको गले लगाने वाला कोई देश था नहीं। विभाजन के साथ ही पाकिस्तान और आज के बांग्लादेश में धार्मिक उत्पीड़न, उनका जबरन धर्मान्तरण, संपत्तियों पर कब्जा करने आदि की शुरुआत हो गई।

अत्याचार के कारण लोगों ने भागना आरंभ किया लेकिन नागरिकता के लिए उस समय 19 जुलाई, 1948 की समय सीमा निर्धारित कर दी गई थी। इस कारण उस समय सीमा के बाद आने वालों के लिए नागरिकता के रास्ते बंद हो गए। आज के बांग्लादेश और तब के पूर्वी पाकिस्तान सहित पूरे पाकिस्तान में गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों पर उत्पीड़न की घटनाओं के बीच 8 अक्टूबर,1950 को नई दिल्ली में नेहरु लियाकत समझौता हुआ।

इसमें दोनों देशों ने अपने यहां अल्पसंख्यकों के संरक्षण, जबरन धर्म परिवर्तन न होने देने सहित अनेक वचन दिए....। भारत ने आज तक इसका शब्दशः पालन किया है जबकि पाकिस्तान और बांग्लादेश ने इसके विपरीत आचरण किया। यही कारण है कि आज भारत में उस समय के 9.7 प्रतिशत मुसलमान की संख्या 157 के आसपास हो गई और उन देशों में घटती चली गई। जब अपने धर्म का पालन करते हुए निर्भय होकर सुरक्षित जीने तक की स्थिति नहीं है तो क्या उनको इन देशों के मजहबी कट्टरपंथी व्यवस्था के हवाले ही छोड़ दिया जाए? वास्तव में नागरिकता संशोधन कानून के क्रियान्वयन के साथ दशकों से उत्पीड़ित शर्णार्थियों को राहत की सांस लेने और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिलेगा। इनकी सांस्कृतिक, सामाजिक भाषायी सभी प्रकार के पहचाने की रक्षा हो सकेगी। यह विभाजन के साथ आरंभ हुई प्रक्रिया को ही आगे बढ़ाना है जिसकी आवश्यकता तब तक है जब तक इन देशों में धार्मिक अल्पसंख्यकों को स्वतंत्रतापूर्वक सम्मानजनक सुरक्षित जीवन जीने का आधार नहीं बनता।

नजरिया

गौरैया की विलुप्ति की त्रासदी चिंताजनक

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च को दुनियाभर में मनाने का उद्देश्य गौरैया पक्षी की लुप्त होती प्रजाति को बचाना है। पेड़ों की अंधाधुंध होती कटाई, आधुनिक शहरीकरण और लगातार बढ़ रहे प्रदूषण से गौरैया पक्षी विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी है। इस दिवस की थीम पिछले कुछ वर्षों से एक ही रही है कि, 'आई लव स्पैरोज' (गौरैया)। यह थीम इस दुनिया को पक्षियों, जानवरों और मनुष्यों के लिए एक बेहतर जगह बनाने के सपने एवं उनके संरक्षण से प्रेरित है। एक वक्त था जब गौरैया की चीं-चीं की आवाज से ही लोगों की नींद खुला करती थी लेकिन अब ऐसा नहीं है। यह एक ऐसी पक्षी है जो मनुष्य के इर्द-गिर्द रहना पसंद करती है। गौरैया पक्षी की संख्या में लगातार कमी एक चेतावनी है कि प्रदूषण और रेडिएशन प्रकृति और मानव के ऊपर क्या प्रभाव डाल रहा है। गौरैया पृथ्वी पर सबसे आम और सबसे पुरानी पक्षी प्रजातियों में से एक है। ये छोटे, मनमोहक एवं शांति देने वाले पक्षी सदियों से हमारे जीवन का हिस्सा रहे हैं और प्रकृति में संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दिन, हम उनकी सुंदरता एवं उपयोगिता की सराहना करने के लिए कुछ समय निकाल सकते हैं और सीख सकते हैं कि हम उनकी सुरक्षा में कैसे मदद कर सकते हैं।

भारत और दुनियाभर में गौरैया पक्षी की संख्या में लगातार कमी आ रही है। दिल्ली में तो गौरैया इस कदर दुर्लभ हो गई है कि ढूंढे से भी यह पक्षी देखने को नहीं मिलता, इसलिए वर्ष 2012 में दिल्ली सरकार ने इसे राज्य-पक्षी घोषित कर दिया था। गौरैया की लुप्त होती प्रजाति और कम होती आबादी बेहद चिंता का विषय है। दुनिया भर की कई संस्कृतियों में, गौरैया सादगी, खुशी और सुरक्षा का प्रतीक है। यह उनकी पारिस्थितिक भूमिका के अलावा हमारी साझा मानव संस्कृति और लोककथाओं में भी उनके महत्व को दर्शाता है। घरों को अपनी चीं-चीं से चहकाने वाली गौरैया अब दिखाई नहीं देती। इस छोटे आकार वाले खूबसूरत एवं शांतिपूर्ण पक्षी का कभी इंसान के घरों में बसेरा हुआ करता था और बच्चे बचपन से इसे देखते हुए बड़े हुआ करते थे। अब स्थिति बदल गई है। गौरैया के अस्तित्व पर छाए संकट के बादलों ने इसकी संख्या काफी कम कर दी है और कहीं-कहीं तो अब यह बिल्कुल दिखाई नहीं देती। इस नन्हें से परिंदे को बचाने के लिए ही पिछले कुछ सालों से विश्व गौरैया दिवस मनाते आ रहे हैं। गौरैया देशी पौधों वाले क्षेत्रों में पनपती है, तो क्यों न हम अपने बगीचे में कुछ पौधे लगाकर गौरैया को नया जीवन देने का उपक्रम करें।

पहली बार यह दिवस नेचर फॉरएवर सोसाइटी द्वारा भारत में गौरैया और अन्य सामान्य पक्षियों की घटती आबादी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ मनाया गया था। नासिक निवासी मोहम्मद दिलावर ने घरेलू गौरैया पक्षियों की सहायता हेतु नेचर फोरेवर सोसाइटी की स्थापना की थी। इनके इस कार्य को देखते हुए टाइम ने 2008 में इन्हें हिरोज ऑफ दी एनवायरमेंट नाम दिया था। पर्यावरण के संरक्षण और इस कार्य में मदद की सराहना करने हेतु एनएफएस ने 20 मार्च 2011 में गुजरात के अहमदाबाद शहर में गौरैया पुरस्कार की शुरुआत की थी। गौरैया के अस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा मानवता पर भी एक प्रश्नचिह्न भी है। गौरैया जैसे बेजुबान पक्षियों का बड़ी संख्या में विलुप्त होना पर्यावरण संतुलन के लिये तो बड़ा खतरा है ही लेकिन इसका असर मानव जीवन पर भी होगा। यह धरती केवल इंसानों के लिये नहीं है, बल्कि वन्य जीवों के लिये भी है, इसलिये पक्षियों का विलुप्त होना या मरना हमारे लिये चिन्ता का बड़ा कारण बनना चाहिए। पक्षी विज्ञानी हेमंत सिंह के अनुसार गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। यदि इसके संरक्षण के उचित प्रयास नहीं किए गए तो हो सकता है कि गौरैया इतिहास का प्राणी बन जाए और भविष्य की पीढ़ियों को यह देखने को ही न मिले। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसायटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्डस' ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को 'रेड लिस्ट' में डाला है। आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह ह्रास ग्रामीण और शहरी, दोनों ही क्षेत्रों में हुआ है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है।

गौरैया का भौगोलिक दायरा बहुत बड़ा है। वे अंटार्कटिका को छोड़कर हर महाद्वीप के मूल निवासी हैं और विभिन्न जलवायु और वातावरण में रहने के लिए अनुकूलित हैं। लेकिन गौरैया पक्षी मानवीय लोभ की भेंट तो चढ़ ही रहे हैं, जलवायु परिवर्तन के कारण भी इनकी संख्या लगातार कम हो रही है। कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए पक्षियों का शिकार एवं अवैध व्यापार जारी है। गौरैया जैसे पक्षी विभिन्न रसायनों और जहरीले पदार्थों के प्रति अति संवेदनशील होते हैं। ऐसे पदार्थ भोजन या फिर पक्षियों की त्वचा के माध्यम से शरीर में पहुंचकर उनकी मौत का कारण बनते हैं। भोजन की कमी होने, घोंसलों के लिए उचित जगह न मिलने तथा माइक्रोवेव प्रदूषण जैसे कारण इनकी घटती संख्या के लिए जिम्मेदार हैं।

जन्म के शुरुआती पंद्रह दिनों में गौरैया के बच्चों का भोजन कीट-पतंग होते हैं। पर आजकल हमारे बगीचों में विदेशी पौधे ज्यादा उगाते हैं, जो कीट-पतंगों को आकर्षित नहीं कर पाते। जीवन के अनेकानेक सुख, संतोष एवं रोमांच में से एक यह भी है कि हम कुछ समय पक्षियों के साथ बिताने में लगाते रहे हैं, अब ऐसा क्यों नहीं कर पाते? क्यों हमारी सोच एवं जीवनशैली का प्रकृति-प्रेम विलुप्त हो रहा है? मनुष्य के हाथों से रचे कृत्रिम संसार की परिधि में प्रकृति, पर्यावरण, वन्यजीव-जंगल एवं पक्षियों का कलरव एवं जीवन-ऊर्जा का लगातार खत्म होते जाना जीवन से मृत्यु की ओर बढ़ने का संकेत है।

खुद को परिस्थितियों के अनुकूल बना लेने वाली यह चिड़िया अब भारत ही नहीं, यूरोप के कई बड़े हिस्सों में भी काफी कम रह गई है। ब्रिटेन, इटली, फ्राँस, जर्मनी और चेक गणराज्य जैसे देशों में इनकी संख्या जहाँ तेजी से गिर रही है, तो नीदरलैंड में तो इन्हें दुर्लभ प्रजाति' के वर्ग में रखा गया है। मोबाइल फोन तथा मोबाइल टॉवरों से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगें गौरैया के अस्तित्व के लिए खतरा बन रही हैं। कई बार लोग अपने घरों में इस पक्षी के घोंसले को बसने से पहले ही उजाड़ देते हैं। कई बार बच्चे इन्हें पकड़कर पहचान के लिए इनके पैर में धागा बांधकर इन्हें छोड़ देते हैं। इससे कई बार किसी पेड़ की टहनी या शाखाओं में अटक कर इस पक्षी की जान चली जाती है। इतना ही नहीं कई बार बच्चे गौरैया को पकड़कर इसके पंखों को रंग देते हैं, जिससे उसे उड़ने में दिक्कत होती है और उसके स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर पड़ता है। पक्षी विज्ञानियों के अनुसार गौरैया को फिर से बुलाने के लिए लोगों को अपने घरों में कुछ ऐसे स्थान उपलब्ध कराने चाहिए, जहां वे आसानी से अपने घोंसले बना सकें और उनके अंडे तथा बच्चे हमलावर पक्षियों से सुरक्षित रह सकें।

मनुष्यों को गौरैया के लिए कुछ ना कुछ तो करना ही होगा, वरना यह भी मॉरीशस के डोडो पक्षी और गिद्ध की तरह पूरी तरह से विलुप्त हो जायेंगे। हमें पक्षियों के स्वास्थ्य के प्रति भी सजग होना चाहिए। सरकारों को भी पक्षियों के इलाज एवं जीवन-सुरक्षा के पुख्ते प्रबंध करने चाहिए। भारत की संस्कृति में पक्षियों को दाना एवं पानी डालने की व्यवस्था जीवनशैली का अंग रहा है, इन वर्षों में हमारी यह संस्कृति लुप्त हो रही है, जो गौरैया के विलुप्त होने का बड़ा कारण है। मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी त्रासदी की हद तक बढ़ी है, जो वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति एवं पर्यावरण के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। ऐसे में इस दिन को मनाने के बारे में सोचना वाकई गौरैया और दूसरे गायब होते पक्षियों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए सराहनीय कदम है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

सदस्यता

पटना में जदयू सांसद ललन सिंह सोमवार को पटना में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पूर्व राजद नेता लवली आनंद को पार्टी में शामिल होने पर पार्टी की सदस्यता पर्ची प्रदान करते हुए।

दपरे के महाप्रबंधक ने गदग, कोप्पल और होसपेट स्टेशनों का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। सोमवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के महाप्रबंधक अरविन्द श्रीवास्तव ने गदग, कोप्पल और होसपेट स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने हुब्बल्ली और कुसुगल खंड के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण भी किया। उन्होंने कई प्रमुख परिचालन एवं सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की। उनके साथ हुब्बल्ली के मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे, प्रमुख विभागाध्यक्ष और दक्षिण पश्चिम रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

इसके अलावा उन्होंने स्टेशन मास्टर के पैनल रूम और रिले रूम सहित गदग और कोप्पल रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया और कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे रेलवे बुनियादी ढांचे और स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की।

सम्मेलन

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा आगामी लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली से पार्टी उम्मीदवारों के साथ; सोमवार को नई दिल्ली में एक संवाददा6ता सम्मेलन के दौरान योगेन्द्र चंदोलिया, कमलजीत सहरावत, मनोज तिवारी, रामवीर सिंह बिधूड़ी, हर्ष मल्होत्रा, प्रवीण खंडेलवाल और बांसुरी स्वराज।

पश्चिम अपनी रूस समस्या का 'समाधान' नहीं कर सकता, अगले छह वर्ष इसे कैसे संभालना चाहिए

कैनबरा। यह शायद इस वर्ष की शायद कम आश्चर्यजनक खबर होगी कि व्लादिमीर पुतिन ने रूस के राष्ट्रपति के चुनाव में जीत हासिल कर ली है। वह पांचवी बार देश के राष्ट्रपति बनेंगे और अगले छह वर्ष तक अपनी सेवाएं देंगे।

पुतिन 2030 में 77 वर्ष के हो जाएंगे। संविधान के अनुसार, जिसे उन्होंने 2020 में अपने लाभ के लिए फिर से लिखा था, वह अगले छह साल के कार्यकाल के लिए दोबारा चुनाव में खड़े हो सकते हैं। इसे परिप्रेक्ष्य में रखते हुए कि पुतिन पहले ही 24 वर्षों तक, या आठ ऑस्ट्रेलियाई संसदीय कार्यकाल के बराबर, राष्ट्रपति या प्रधान मंत्री के रूप में रूस पर शासन कर चुके हैं। उस अवधि में, ऑस्ट्रेलिया में आठ प्रधान मंत्री हुए और तीन बार सत्तारूढ़ दल बदला गया। अमेरिका में पाँच अलग-अलग राष्ट्रपति हुए हैं; यूनाइटेड किंगडम के सात अलग-अलग प्रधान मंत्री।

पश्चिम में चुनावों के विपरीत, जहां परिणाम वास्तव में मतदाताओं के हाथों में होते हैं और स्वतंत्र चुनाव आयोगों द्वारा निर्णय लिया जाता है, रूस अलग है। जैसा कि मॉस्को में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत लॉरी ब्रिस्टो ने लिखा है: रूस में, चुनावों का उद्देश्य अपने शासकों के निर्णयों को मान्य करना है, न कि लोगों की इच्छा के बारे में जानना।

पुतिन अब नई सरकार नियुक्त करेंगे। उत्तराधिकार योजना और भविष्य की नीतियों का पता लगाने के लिए उनकी पसंद की गहनता से जांच की जाएगी। हालाँकि वह हैरान करने में माहिर हैं, लेकिन हमें पुतिन के जल्द चले जाने पर भरोसा नहीं करना चाहिए। आधुनिक रूस और यूएसएसआर के केवल चार नेताओं ने शीर्ष पद को जीवित रहते छोड़ा; बाकी की मृत्यु कार्यालय में प्राकृतिक या अन्य कारणों से हुई है। इसके अलावा, पिछले दो वर्षों में पुतिन के कार्यों का उद्देश्य रूस को अधिनायकवाद से अर्ध-अधिनायकवाद की ओर ले जाना है। कार्नेगी एंडोमेंट के आंद्रेई कोलेनिकोव ने इन विवर्तनिक बदलावों के बारे में प्रभावशाली ढंग से लिखा है जो सोवियत स्टालिनवाद के सबसे काले वर्षों की याद दिलाते हैं। पुतिन ने स्पष्ट रूप से यूक्रेन में अपनी पसंद के युद्ध को पश्चिम के साथ व्यापक, दीर्घकालिक संघर्ष के छद्म के रूप में प्रस्तुत किया है। उनका मानना है कि पश्चिम असंयमित है, पतन की ओर है और आसानी से विचलित हो जाता है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का अमेरिकी सहयोगियों और साझेदारों के प्रति ''उन पर अडिग'' रवैया, और यूक्रेन को आगे की सैन्य सहायता पर पश्चिमी देशों की झिझक, केवल पुतिन को और अधिक प्रोत्साहित करेगी। इस सप्ताहांत के चुनाव में अपनी पारंपरिक सफलता से उत्साहित होकर, वह आगे जोखिम भरे और उत्तेजक दुस्साहस पर उतरेंगे। नतीजतन, पुतिन - और ''पुतिनवाद'' की विचारधारा - पश्चिमी सरकारों और नीति निर्माताओं के लिए एक गंभीर चुनौती है जो वास्तव में अपने मतदाताओं, संसदीय विपक्ष, एक मुखर और जिज्ञासु मीडिया और एक स्वतंत्र न्यायपालिका के प्रति जवाबदेह हैं।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के अंदरूनी इलाकों में हवाई हमले किए, आठ लोगों की मौत

इस्लामाबाद/काबुल/भाषा। पाकिस्तान के अशांत शहरों में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के बाद दोनों पड़ोसी देशों में छिड़ी जुबानी जंग के बीच पाकिस्तान ने सोमवार को अफगानिस्तान के अंदरूनी इलाकों में हवाई हमले किए, जिसमें तीन बच्चों सहित आठ आम नागरिकों की मौत हो गई। अफगानिस्तान के तालिबान ने यह जानकारी दी।

अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को हमलों की पुष्टि करते हुए कहा कि पाकिस्तान की सीमा से लगे देश के पक्तिका और खोस्त प्रांतों के इलाकों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान की ओर से फिलहाल इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

'डॉन' अखबार ने काबुल से अपनी खबर में बताया कि अफगानिस्तान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में पाकिस्तानी विमानों द्वारा हमले किए जाने का आरोप लगाया। मुजाहिद ने कहा, सुबह तड़के करीब तीन बजे पाकिस्तानी विमानों ने खोस्त और पक्तिका प्रांतों में लोगों के घरों पर बमबारी की। उन्होंने दावा कि इसमें महिलाएं और बच्चे समेत आठ लोगों की मौत हो गई है। मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तानी विमानों द्वारा पक्तिका के बरमल जिले के लमान इलाके में हमले किए गए।

यह आरोप लगाते हुए कि ''आम लोगों के घरों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि पक्तिका में तीन महिलाओं और तीन बच्चों की मौत हो गई तथा एक घर ढह गया, जबकि खोस्त में एक घर तबाह हो गया और दो महिलाओं की मौत हो गई।

प्रवक्ता ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अंगभीर कृत्य और अफगान की सीमा का उल्लंघन करार दिया।

मुलाकात

बेंगलूरु में सोमवार को राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज, नई दिल्ली के मेजर जनरल सीपी सांगरा ने नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से मुलाकात की। उन्होंने कॉलेज की गतिविधियों की जानकारी राज्यपाल को दी। उन्होंने राज्यपाल का सम्मान भी किया।

रैली

कोलकाता में अवैध इमारत ढहने के विरोध में भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने सोमवार को रैली निकाली।

नई लोकसभा के सदस्यों का नए रूप में स्वागत करेगा संसद परिसर

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव के बाद जब जून महीने में नवनिर्वाचित सदस्य पहुंचेंगे तो संसद परिसर अपने नए और सुंदर रूप में उनका स्वागत करेगा। संसद से जुड़े सूत्रों ने बताया कि चार अलग-अलग इमारतों वाले पूरे परिसर को एकीकृत करने का काम चल रहा है।

बाहरी क्षेत्र के पुनर्विकास के तहत महात्मा गांधी, छत्रपति शिवाजी और महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमाओं एवं राष्ट्रीय प्रतीकों को पुराने संसद भवन (संविधान सदन) के द्वार संख्या 5 के पास एक उद्यान में ले जाया जाएगा। इससे संसद के नए भवन के 'गज द्वार' के सामने एक विशाल उद्यान के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। 'गज द्वार' का उपयोग राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नए संसद भवन में प्रवेश के लिए करते हैं। इस उद्यान का उपयोग आधिकारिक समारोहों जैसे संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति का संबोधन जैसे आधिकारिक समारोहों के लिए भी किया जा सकता है। एक सूत्र ने कहा, लक्ष्य यह है कि नई लोकसभा की बैठक से पहले नवीनीकृत संसद परिसर को तैयार करना है।

होली के रंग में दिखे 'डांस दीवाने' के जज

मुंबई/एजेन्सी

माधुरी दीक्षित नेने, सुनील शेट्टी, गोविंदा और उनकी पत्नी सुनिता को फिल्मिस्तान स्टूडियो में डांस दीवाने के सेट पर एक साथ देखा गया। सभी सेलिब्रिटी रियलिटी शो के एपिसोड की शूटिंग के लिए पहुंचे थे।

इस शो में गोविंदा और उनकी पत्नी को स्पेशल गेस्ट के रूप में इनवाइट किया गया था। इसे होली स्पेशल के लिए शूट किया जा रहा था। हरे रंग की पोशाक में माधुरी दीक्षित नजर आईं। एक्ट्रेस इस शो की जज भी हैं। फ्यूजन आउटफिट में देवदास की अभिनेत्री माधुरी काफी सुंदर नजर आ रही थी। अभिनेत्री ने ग्लैम मेकअप के साथ अपने बालों को भी खुला छोड़ा हुआ था, साथ ही गोल्ड कलर की ब्लॉक हील्स के साथ लुक को पूरा किया।

को-जज सुनील ने चिकनकारी के काम वाली नीली शर्ट और बेज रंग की पैंट पहनी थी। उन्होंने अपने लुक को काले धूप के चश्मे से पूरा किया। पिंक लहंगे में गोविंदा की पत्नी सुनिता भी काफी सुंदर दिख रही थी, उन्होंने हरे चोकर नेकलेस और मैचिंग इयररिंग्स के साथ लुक को पूरा किया। सुनीता और सुनील को लेंस के लिए एक साथ पोज़ देते हुए देखा गया।

'हेरा फेरी' अभिनेता ने सुनीता के कंधों पर अपने हाथ रखे हुए थे। गोविंदा ने ब्राइट पिंक कलर का कुर्ता पायजामा और मैचिंग दुपट्टा पहना था। उन्होंने इस आउटफिट को भूरे रंग के जूतों के साथ पूरा किया। लाफ्टर क्वीन भारती सिंह पीले रंग की आउटफिट पहनी हुई थी । भारती इस शो की जज भी हैं। वह मुस्कुराईं और कैमरे के सामने हाथ जोड़े। बता दें कि 'डांस दीवाने' कलर्स पर प्रसारित होता है।

फिल्म 'फसल' 25 को रिलीज होगी

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के जुबली स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ और यूट्यूब क्वीन आम्रपाली दुबे की फिल्म फसल 25 मार्च को रिलीज होगीग श्रेयस फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी भोजपुरी फ़िल्म फसल के निर्माता प्रेम राय हैं और निर्देशक पराग पाटिल हैं। फिल्म के निर्माता प्रेम राय ने कहा कि यह फिल्म भोजपुरी के दर्शकों को होली का उपहार होगी। इसलिए वे सभी अपने परिजनों के साथ इस फिल्म को नजदीकी सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।

उन्होंने कहा, फिल्म फसल भारतीय सिनेमा के साथ-साथ किसानों को काफी प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए भारतीय किसानों को समझने के लिए यह फिल्म जरूर देखें। क्योंकि यह हमारे अन्नदाता को सम्मान होगा।

निरहुआ ने कहा कि फसल एक ऐसी फिल्म है जिसकी परिकल्पना कभी भोजपुरी में नहीं की गई है। इस फिल्म के किरदार को जीना मेरी लाइफ के बेहतरीन लम्हों में से एक है इसलिए मैं भोजपुरी के दर्शकों से आग्रह करूंगा कि वह जरूर इस फिल्म के देखें और अपना खूब सारा प्यार और आशीर्वाद दें।

आम्रपाली दुबे ने भी इस फिल्म को लेकर लोगों से प्यार और दुलार देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह फिल्म न सिर्फ देश के किसानों के बीच जागरूकता लाएगी, बल्कि सरकारी तंत्र की आखें खोलेगी। वहीं देश की महिलाओं के लिए भी बहुत ही खूबसूरत संदेश देने की कोशिश की गई है कि एक पति के सुख-दुख की सहभागी होने के नाते पत्नी का क्या-क्या कर्त्तव्य हो सकता है।

पराग पाटिल ने कहा कि फ़िल्म फसल एक किसान की कहानी और उसके द्वारा उपजाए गए फसलों की कीमत के इर्दगिर्द की कठिनाइयों और चुनौतियों को इंगित करते हुए

बनाई गई है। फ़िल्म फसल की कहानी पराग पाटिल ने लिखी है, जबकि संवाद राकेश त्रिपाठी ने लिखा है। फ़िल्म के गीत अरविंद तिवारी, प्यारेलाल यादव , विमल बावरा एवं विजय चौहान हैं और संगीतकार ओम झा एवं आर्या शर्मा हैं। गायक आलोक कुमार, कल्पना पटवारी, नीलकमल सिंह, प्रिया सिंह राजपूत, ममता राउत एवं शिल्पी राज है। फ़िल्म फसल के सह निर्माता सतीश आशवानी हैं। फ़िल्म की सिनेमेटोग्राफी साहिल जे अंसारी ने की है। एक्शन हीरा यादव का है। कोरियोग्राफर संजय कोर्बे एवं कानू मुखर्जी हैं।

'दबंग' की अगली कड़ी को निर्देशित करना चाहते हैं अरबाज खान

मुंबई/एजेन्सी

वर्ष 2010 में सलमान खान के भाई अरबाज खान ने अपने प्रोडक्शन तले सलमान खान को लेकर फिल्म दबंग का निर्माण किया था। लेखक निर्देशक अभिनव कश्यप ने सलमान खान को इस फिल्म में अलग अंदाज में पेश किया। उनका यह अंदाज दर्शकों को भाया और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही। सलमान के फैंस को उनका चुलबुल पांडे अवतार बहुत पसंद आया था। इसके इसकी फ्रेंचाइजी की दो फिल्मेंदबंग-2 और दबंग-3आई। दबंग-2 का निर्देशन अरबाज ने किया था और अब हर कोई फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त 'दबंग 4' के लिए बेताब है। हाल ही में ऐसी अफवाहें थीं कि सलमान और

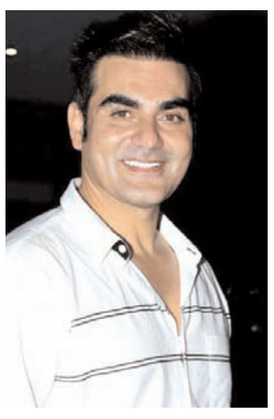

अरबाज ने 'दबंग' के अगले पार्ट पर चर्चा करने के लिए 'जवान' के निर्देशक एटली से मुलाकात की थी। अब 'दबंग 2' बनाने वाले अरबाज ने एक इंटरव्यू में इस बारे में खुलकर बात की। अरबाज ने मिड-डे से बात करते हुए कहा कि मैं अपने जीवन में कभी भी फिल्म निर्माता एटली से नहीं मिला। इन अफवाहों पर तब तक यकीन नहीं करना चाहिए जब तक कि मैं इनकी पुष्टि न कर लूं। हालांकि सलमान 'दबंग 4' करने के इच्छुक हैं। सलमान और मैं फिलहाल अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। मैं 'दबंग 4' का निर्देशन करना पसंद करूंगा, लेकिन अभी तक कुछ भी तय नहीं किया है। सलमान के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके पास शाहरुख खान के साथ 'टाइगर वर्सेस पठान' है। सलमान ने साजिद नाडियाडवाला के साथ एक नई फिल्म की भी घोषणा की, जो ईद 2025 पर रिलीज होगी। सलमान की पिछली फिल्म 'टाइगर 3' पिछले साल 12 नवंबर को रिलीज हुई थी।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने दिया फिटनेस मंत्र

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में फिल्म 'सुखी' में नजर आईं बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा फिटनेस मंत्र दे रही हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक बेंच पर वन-लेग स्क्वाट करते हुए अपना एक वीडियो साझा किया। वीडियो में शिल्पा को जिम वियर पहने और पूरी तरह से फोकस कर संतुलन बनाते हुए देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, ''मुझे कोई भी 'रैप' दे दो, मैं इसे अपना बना लूंगी। सब बैलेंस का खेल है! स्टाइल में एक बेहतरीन लेग वर्कआउट।'' शिल्पा ने आगे कहा, मुझे पूरी ड्रिल पाने के लिए कुछ प्रयास करने पड़े, लेकिन यह चुनौतीपूर्ण है। इसे आज़माएं और मुझे टैग करें। देखते हैं कितने लोग इसे पूरा कर पाते हैं।

इससे पहले एक्ट्रेस ने अपने

लेटेस्ट पोशाक के साथ हरे रंग में धूम मचाई थी। उन्होंने हरे रंग की पोशाक पहनी थी, जिसे उन्होंने फूलों के पैटर्न वाले क्रीम रंग के साथ जोड़ा था। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने कमेंट बॉक्स में आकर शिल्पा की पोशाक की पसंद की सराहना की। उन्होंने लिखा, वाह। इस बीच, अगर उनके वर्क फ्रंट की बात करें, तो शिल्पा कन्नड़ फिल्म 'केडी - द डेविल' की तैयारी कर रही हैं, जिसमें संजय दत्त और जिशु सेनगुप्ता भी हैं।

अनुपम खेर की 'तन्वी द ग्रेट' के लिए संगीत देंगे कीरावनी

मुंबई/एजेन्सी

अनुपम खेर 'तन्वी द ग्रेट' का निर्देशन कर रहे हैं। उन्होंने ऑस्कर और ग्रैमी विजेता संगीत निर्देशक एम.एम. कीरावनी को फिल्म का म्यूजिक देने के लिए साइन किया है। सोमवार को अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टूडियो के अंदर म्यूजिक का वीडियो साझा किया, जहां संगीतकार को डिजिटल ऑडियो वर्कस्टेशन के सामने कीबोर्ड पर डूडलिंग करते देखा जा सकता है। वीडियो में एम.एम. कीरावनी को कुछ तार बजाते और धुन गुनगुनाते देखा जा सकता है। धुन के अंत में अनुपम संगीतकार की सराहना करते हैं। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा: सपने सच होता हैं। यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमारे समय के सबसे बेहतरीन संगीतकारों में से एक ऑस्कर और गोल्डन ग्लोब विजेता एमएम कीरावनी सर मेरी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के संगीत निर्देशक हैं।

अनुपम ने आगे बताया, जब से मैंने 'तुम मिले दिल खिले' गाना सुना है, तब से मैं कीरवानी सर का फैन हो गया हूं। 'तन्वी द ग्रेट' के लिए संगीत और गाने तैयार करने में लगभग एक साल बिताना शानदार रहा है! आपकी प्रतिभा और उदारता के लिए धन्यवाद सर! जय हो। फिल्म के बारे में बात करते हुए एम.एम. कीरावनी ने साझा किया, मैं 'तन्वी द ग्रेट' का हिस्सा बनकर

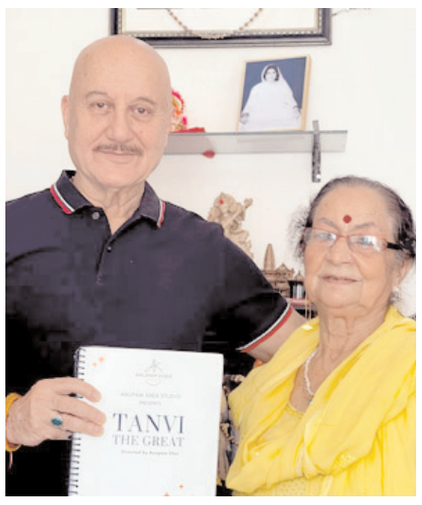

रोमांचित हूं। अनुपम खेर के साथ काम करना हर समय अपने आप में रहने जैसा है। काम पहले कभी इतना मजेदार नहीं था। एम.एम. कीरावनी को 'आरआरआर' के 'नाटू नाटू' गाने के लिए ऑस्कर और गोल्डन ग्लोब पुरस्कार मिला है। 'तन्वी द ग्रेट' का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियो द्वारा किया गया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 19-03-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

भगवान महावीर ने पुस्तक की सुरक्षा के लिए कवर की, शरीर की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य की नितान्त आवश्यकता बताई, वैसे ही जीवन की सुरक्षा व इहलोक एवं परलोक की सुरक्षा के लिए धर्म की आवश्यकता है। धर्म के क्षेत्र में छलावा या प्रदर्शन न हो। छल कपट, प्रपंच न हो। आत्मशुद्धि का साधन ही धर्म है।

तिरुचि रेलवे परिसर में लगी तीर्थंकर प्रतिमा, रेलवे की अनुभव पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में प्रचुर जैन पुरावशेष उपलब्ध हैं। वर्तमान में भी यहां प्राचीन प्रतिमा, अभिलेख, कलाकृतियाँ आदि प्राप्त होने की खबरें पढ़ने-सुनने को मिलती हैं। जब कभी कहीं कोई मूर्ति या अभिलेख मिला तो उसे कई तरीकों से सुरक्षित करने का प्रयास किया गया। पुरातात्विक महत्व के अनेक स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और तमिलनाडु पुरातत्व विभाग के संरक्षण में हैं। अनेक प्राचीन जैन मूर्तियां नवीन जिनालयों में प्रतिष्ठित और पूजित हैं। कई स्थानों पर स्थानीय लोग इन मूर्तियों की देखभाल और पूजा कर रहे हैं। कुछ मूर्तियाँ संग्रहालयों में हैं।

मूर्ति को सम्मान के साथ सुरक्षित रखने का एक अनूठा तरीका तिरुचिरापल्ली रेलवे स्टेशन (जंक्शन) पर देखा जा सकता है। बोलचाल में तिरुचि या त्रिची नाम से प्रसिद्ध इस रेलवे स्टेशन के बाहर बायीं ओर परिसर के विभागीय भवन की ऊंची दीवार में जैन तीर्थंकर की प्राचीन मूर्ति स्थापित है। तिरुचि जंक्शन तमिलनाडु का दूसरा सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है। तिरुचिरापल्ली' नाम के आधार पर विद्वानों का अनुमान है कि किसी समय यह स्थान जैनों का गढ़ रहा होगा। सन 1859 में यहां रेलवे स्टेशन बना और बाद में विकास होता रहा। उसी दौरान यहां तीर्थंकर प्रतिमा मिली थी। जब स्टेशन का विभागीय परिसर बना, तब दीवार में सम्मानित तरीके से इस तीर्थंकर प्रतिमा को स्थापित कर दिया गया।

लगभग हजार वर्ष पुरानी काले पाषाण की यह प्रतिमा अर्ध पद्मासन में ध्यान मुद्रा में है। मस्तक के ऊपर तीन छत्र और दोनों ओर चंवर डुलाते देवता अंकित हैं। यह प्रतिमा स्टेशन पर अथवा यात्रियों के आवागमन पथ में नहीं है। जिस दीवार में प्रतिमा है, वहां भी इतनी ऊंचाई पर है कि आम तौर पर वहां से गुजरने वालों का ध्यान नहीं जाता है। लेकिन जब ध्यान जाता है तो देखने वाला विस्मित और श्रद्धा से प्रणत हो जाता है।

बीकानेर डिस्ट्रिक्ट जैन एसोसिएशन का होली स्नेह मिलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बीकानेर डिस्ट्रिक्ट जैन एसोसिएशन का होली मिलन समारोह कालू मालू भवन में आयोजित हुआ। एसोसिएशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल पुगलिया ने सभी का स्वागत किया। महिला विंग द्वारा सभी पूर्व अध्यक्ष, मंत्री, संयोजिका, सहसंयोजिका एवं वर्तमान टीम सदस्याओं का सम्मान किया। संपूर्ण महिला विंग को सुनीता डागा एवं संगीता पुगलिया ने टाइटल प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2022-24 के सभी कार्यसमिति सदस्यों को होली की टाइटल से नवाजा गया। इन टाइटलों का संयोजन जतनलाल पुगलिया ने किया। होली की टोली टीम धनराज मालू के नेतृत्व में चंग पर खूब थिरके। कार्यक्रम के संयोजक भीकमचंद लुणावत एवं संतोष सेठिया ने व्यवस्था संभाली। स्नेह मिलन के दौरान अनेक सांस्कृतिक व मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। डॉक्टर दिवेश मेहता ने चेकअप शिविर लगाया। कार्यक्रम में अध्यक्ष कन्हैयालाल पुगलिया, मंत्री पवन सेठिया, कोषाध्यक्ष मनोज बैद, उपाध्यक्ष भीकमचंद लुणावत, प्रचार प्रसार मंत्री संतोष सेठिया, अशोक तातेड़, महिला विंग संयोजिका राजश्री सेठिया, सहसंयोजिका ममता नाहटा का पूर्ण सहयोग मिला। कार्यक्रम का संचालन संतोष सेठिया ने किया। धन्यवाद ज्ञापन गुलाब गुलगुलिया ने दिया।

दपरे के महाप्रबंधक ने गदग, कोप्पल और होसपेट स्टेशनों का किया निरीक्षण

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। सोमवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के महाप्रबंधक अरविन्द श्रीवास्तव ने गदग, कोप्पल और होसपेट स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने हुब्बल्ली और कुसुगल खंड के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण भी किया।

उन्होंने कई प्रमुख परिचालन एवं सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की। उनके साथ हुब्बल्ली के मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे, प्रमुख विभागाध्यक्ष और दक्षिण पश्चिम रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

इसके अलावा उन्होंने स्टेशन मास्टर के पैनल रूम और रिले रूम सहित गदग और कोप्पल रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया और कर्मचारियों से बातचीत की।

उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे रेलवे बुनियादी ढांचे और स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की।

नवीन भूखंड पर आंगनबाड़ी केन्द्र का हुआ शुभारंभ

किचन में बनेगा तीन सौ लोगों का भोजन व नाश्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। उपनगर चेट्टीपालयम के मधुक्करै पंचायत प्राथमिक विद्यालय में 8.50 लाख रुपए लागत से निर्मित विद्यालय के बच्चों के दैनिक नाश्ता,भोजन तैयार करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्र का निर्माण कार्य गत कई महीनों से गतिमान था। सोमवार को विद्यालय की प्राचार्या देवकी, समाजसेवी अरुणाचलम, आंगनवाड़ी केंद्र की सहयोगियों व विद्यार्थियों की उपस्थिति में वर्धमान जैन सेवा संघ(कोयंबतूर)के संस्थापक राजेश कुमार गादिया ने केंद्र के उद्घाटन की घोषणा करते हुए प्रथम पूजा अर्चना करते हुए आंगनवाड़ी केंद्र के स्कूली विद्यार्थियों के शिक्षा में महत्वपूर्ण सहयोग बनने की बात कही और कहा की बच्चे हर रोज समय पर भोजन कर सकेंगे और अपनी पढ़ाई पर पूर्ण ध्यान रख सकेंगे। ज्ञातव्य हो की ये विद्यालय 121 वर्ष पुराना है और आज तक इस विद्यालय से हजारों विद्यार्थियों के जीवन की राह सफल बनाने में इस विद्यालय ने महत्ती भूमिका निभाई है।

दूसरों के लिए जीने वाला ही होता है महान : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेटा स्थानीय आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में चार दिन की स्थिरता के बाद आचार्य श्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने सोमवार को हंपी की ओर विहार किया। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि हमारे विचार और आचार स्व के लिए ही नहीं अपितु सर्व के लिए लाभदायक और हितकर होने चाहिए। हमें अपने साथ दूसरों के लिए जीना चाहिए। स्व के लिए तो सब जीते हैं परन्तु पर के लिए जीने वाला ही महान होता है।

भोजपुरी समाज सेवा समिति का होली मिलन समारोह 25 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भोजपुरी समाज सेवा समिति का होली मिलन समारोह 25 मार्च को आयोजित है जिसके संदर्भ में समिति कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आयोजन हेतु एक सात सदस्यीय में रामाशंकर सिंह को कार्यक्रम अध्यक्ष, राकेश पटेल को कार्यक्रम प्रभारी, संजीत आनंद को कार्यक्रम सह अध्यक्ष, यूपी शर्मा को कार्यक्रम प्रबंधक, नीरजकुमार को कार्यक्रम सह प्रबंधक, अमरेन्द्र ओझा एवं संजय शर्मा को व्यवस्थापक मंडल का सदस्य मनोनीत किया गया। संस्थापक अध्यक्ष संजयसिंह उज्जैन ने बताया कि मिलन समारोह 25 मार्च को सुबह 10 बजे से नीलसन्द्रा स्थित एसआरके कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया है जिसमें फूलों की होली सहित अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में शहर के सुप्रसिद्ध गायिका सुश्री श्रेया सिंह, अजय सिंह एवं पार्टी द्वारा होली गीत संगीत की प्रस्तुति देंगे।

सिवांची ओसवाल महिलाओं ने मनाया महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सिवांची ओसवाल जैन महिला संघ द्वारा महिला दिवस के मौके पर 'नादान परिंदे' नामक कार्यक्रम नेशनल कॉलेज ऑडिटोरियम में किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं के बाहरी व मन की सुन्दरता को संवारने का है। कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर मुकेश भंडारी ने कहा कि कभी-कभी अनजाने में ही नारी ही नारी को नहीं समझ पाती है।

हमें हर रोज अपने मन के भीतर झांककर देखना चाहिए कि हम कहीं अपने आप को दुख तो नहीं पहुंचा रहे हैं और उस दुख से किसी और को दुख नहीं पहुंचा रहे हैं? उन्होंने कहा कि यदि हम अपना नजरिया बदल ले तो हम हर परिस्थिति में अपने आप को खुश रख सकते हैं। कार्यक्रम में करीब 200 महिलाओं ने भाग लिया।

सचिव प्रीति चौरडिया ने मंच का संचालन किया। कोषाध्यक्ष ऊषा भंडारी ने सभी का स्वागत किया प्रोजेक्ट हेड्स शीतल चोपड़ा, डिंपल बागरेचा, टीनू पालरेचा ने कार्यक्रम की रुपरेखा बताई। सह कोषाध्यक्ष ललिता छाजेड़ ने सभी प्रायोजक परिवार व अतिथियों को धन्यवाद दिया। अध्यक्ष सीमा मेहता, उपाध्यक्ष हेमा चोपड़ा, सहसचिव डिंपल ओस्तवाल सहित पूरी कमेटी सदस्याएं उपस्थित रहीं।

मात्र मानव ही श्रेष्ठ धर्म आराधना कर सकता है : संतश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में आगमशेखरमुनिजी ने कहा कि प्रत्येक आत्मा परमात्मा बन सकती हैं। सभी के लिए मंगल बन सकती हैं। मंगल बनने के लिए विनय, ज्ञान, नम्रता और वैराग्य जरूरी है। अध्यात्म में सत्ता और शक्ति का महत्व नहीं है। अध्यात्म में गुणों का महत्व हैं। त्याग, दान, शील और तप का महत्व है।

भगवान महावीर ने क्रोध पर विजय पाई तो वे आज हमारे आराध्य बन गये। जयभानुशेखर मुनिजी ने कहा कि हमें धर्म, मन-वचन और काया से करना चाहिए। मात्र मानव ही श्रेष्ठ धर्म आराधना कर सकता है। धर्म कम होगा तो चलेगा किन्तु जीवन में पाप नहीं बढना चाहिए। सभा का संचालन करते हुए मंत्री अभयकुमार बांठिया ने पधारे हुए आचार्यश्री का परिचय देते हुए बताया कि आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी का 50 वां दीक्षा वर्ष है और उनकी नेश्राय में अभी 500 साधु साध्वी जी हैं। संघ के उपाध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने सभी का स्वागत किया। अलसूर पहुंचने पर आचार्यश्री का भव्य स्वागत किया गया।

मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ के स्नेह मिलन में दिखा उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीरेडेन्सी रिसोर्ट में मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ बेंगलूरु कर्नाटक का स्नेह मिलन आयोजित हुआ। अध्यक्ष कन्हैयालाल चिप्पड़ ने सभी का स्वागत करते हुए संघ के विकास के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि समाज जागरूक रहेगा, तभी विकास संभव है।

उन्होंने कहा कि समाज के पदाधिकारियों को डर रहना चाहिए। सही कार्य के लिए आप समर्थन करें गलत होता है तो आप उसे रोके। पारदर्शिता से संघ का कार्य हो, भाई भतीजावाद ख़त्म हो। आपसी प्रेम, प्यार व सौहार्द से संघ मजबूत बनता है और संघ की ताकत बढ़ती है।

संघ हमेशा अनुशासन से आगे बढ़ता है, ईर्ष्या से नहीं। कन्हैयालाल सुराणा ने कहा कि संघ का संचालन सविधान के अनुसार होना चाहिए। जो संघ की विघटन में कार्य करते है हमें उनके प्रति एक्शन लेना चाहिए । एकता ही संघ की ताकत है सही का साथ देना है ओर ग़लत का बहिष्कार करना चाहिए।

प्रकाशचन्द बाबेल, पुखराज श्रीश्री माल, जयन्तिलाल ओस्तवाल, बंशीलाल चोपड़ा ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस मौके पर संस्था के रजत जयंती के मौके पर अमृत महोत्सव मनाया तथा सभी का पगड़ी व माला पहनाकर सम्मान किया गया।

केंद्र की नीतियों से त्रस्त है व्यापारी वर्ग : बोहरा

कर्नाटक अल्पसंख्यक कांग्रेस ने की पत्रकार वार्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'व्यापारी वर्ग किसी भी देश की अर्थ व्यवस्था का आधार स्तंभ होता है और ऐसे आधार स्तंभ के प्रति नरम रुख व समायोजन के भाव से आर्थिक व व्यवसायिक उनत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है, परंतु केंद्र सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों से इस वर्ग पर कानून के नाम पर रुखा दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। व्यापारी वर्ग के प्रति केंद्र सरकार की नीतियां आज सहयोगात्मक न होकर परेशान करने वाली है और इन्ही नीतियों के कारण हिंदुस्तान का व्यापारी वर्ग त्रस्त है।'यह बात

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति अल्पसंख्यक विभाग द्वारा आयोजित पत्रकारवार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने कही। उन्होंने कहा कि सरकार का सहयोग करने का रवैया सिर्फ बड़े व्यापारिक घरानों के साथ है जिसके कारण मध्यम व निम्न मध्यम व्यापारियों के व्यापार आज बंद होने की परिस्थिति में है।

कष्टभंजन हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव पर की गौसेवा

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। ओल्ड हुबली के अभिनव नगर में स्थित विश्व हिन्दू परिषद द्वारा संचालित कष्टभंजन हनुमान मंदिर एवं गौशाला का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया। इस दौरान प्रातःकाल में हवन पूजन किया गया जिसमें अनेक जोड़ों ने भाग लेकर पूजा की। इसके पश्चात पालकी उत्सव के तहत अभिनवनगर, ईश्वरनगर में पालकी यात्रा निकाली गई। शाम को विधिविधान के साथ गौमाता की पूजा विहिप प्रान्त उपाध्यक्ष गोर्वधन राओ, विहिप विभाग सचिव विनायक तलगेरी, विहिप हुब्बल्ली महानगर अध्यक्ष संजय बडसकर, सचिव रमेश कदम, सहसचिव विजय क्षीरसागर ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.